▸▸ वर्ष : 34 ▸▸ अंक : 272 ▸▸ मुंबई, मंगलवार, 9 दिसंबर 2025 ▸▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸ मूल्य : 3 रुपए ▸▸ epaper.dobajedopahar.com ▸▸ संपादक : अरुण लाल ▸▸ संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

सबसे बड़ी पूरक मांग

- विधानसभा में 75,286 करोड़ रुपये की अनुपूरक मांगें पेश
- किसान राहत, सब्सिडी और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर होंगे खर्च : वित्त मंत्री पवार
- वर्तमान सरकार द्वारा रखी गई कुल अनुपूरक मांगें 1,73,019 करोड़ रुपये की हो गई
- सरकार ने लाडली बहन योजना और कुंभ मेले की तैयारी को प्राथमिकता दी

धीरज सिंह । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने 75,286.38 करोड़ रुपये की अनुपूरक मांगें सोमवार को विधानसभा में पेश कीं। इनमें से प्रस्तावित व्यय का बड़ा हिस्सा किसान राहत, सब्सिडी और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर खर्च किए जाने का प्रस्ताव है। राज्य का सार्वजनिक ऋण वर्तमान में 9.32 लाख करोड़ रुपये है। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री अजित पवार ने राज्य विधानमंडल के सप्ताह भर के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सदन के समक्ष अनुपूरक मांगें रखीं। नवीनतम प्रस्तावों के साथ वर्तमान सरकार द्वारा रखी गई कुल अनुपूरक मांगें 1,73,019 करोड़ रुपये की हो गई हैं।

विपक्ष ने उठाए सवाल

महाराष्ट्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू होते ही सरकार और विपक्ष के बीच विवाद शुरू हो गया। विपक्ष का आरोप है कि सरकार सत्र को छोटा करके विधायिक कार्यों को जल्दी निपटाने की कोशिश कर रही है। विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और कांग्रेस नेता नाना पटोले ने कहा कि सरकार विधायिका का कामकाज जल्दी निपटाने की कोशिश कर रही है और महत्वपूर्ण विषयों पर पर्याप्त चर्चा नहीं होने दे रही। शिवसेना के नेता भास्कर जाधव ने भी कहा कि विपक्ष ने कामकाज सल्लागार समिति की बैठक में अपनी आपत्ति स्पष्ट रूप से जताई थी। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि अधिवेशन की अवधि और कामकाज का स्वरूप सल्लागार समिति में सर्वसम्मति से तय होता है और अब उस पर अलग चर्चा नहीं होगी।

महायुति सरकार द्वारा प्रस्तुत अनुपूरक मांगों का चौथा 'सेट'

यह महायुति सरकार द्वारा प्रस्तुत अनुपूरक मांगों का चौथा 'सेट' है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 7 .06 लाख करोड़ रुपये का वार्षिक बजट पेश करने के बाद, राज्य ने दिसंबर 2024 में शीतकालीन सत्र के दौरान लाडकी बहिन योजना, मूर्ति निर्माण और सड़क मरम्मत के लिए 33,738 करोड़ रुपये की अनुपूरक मांगें पेश की थीं।

प्रशासनिक खर्चों के लिए 6,486 करोड़ रुपये की अतिरिक्त मांग

सरकार ने मार्च में बजट सत्र के दौरान मुख्य रूप से प्रशासनिक खर्चों के लिए 6,486 करोड़ रुपये की अतिरिक्त मांग की, इसके बाद जुलाई में मानसून सत्र के दौरान कल्याणकारी योजनाओं, 15वें वित्त आयोग से जुड़े अनुदानों एवं कुंभ मेले की तैयारियों के लिए 57,509 करोड़ रुपये की मांग की।

इंफो

- मानसून अधिवेशन जून-जुलाई 2025 में 57,509.17 करोड व बजट अधिवेशन मार्च 2025 में 6,486 करोड की निधि की मांग की गई थी।
- राज्य पर इस समय 9.32 लाख करोड़ रुपये का कर्ज़ है।

इस बार निधि की प्रमुख मांग

- 15,648 करोड़ : अतिवृष्टि प्रभावित किसानों के लिए मदद
- 6,103 करोड : लाडली बहन योजना
- 3 हजार करोड : कुंभ मेला

ब्रीफ न्यूज़

आईएएस अधिकारी तुकराम मुंढे के निलंबन की मांग

नागपुर। महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायकों ने सोमवार को संकेत दिया है कि वे विधानसभा के जारी शीतकालीन सत्र में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी तुकराम मुंढे के निलंबन की मांग करते हुए विशेष ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहे हैं। अपनी सख्त और नियमबद्ध प्रशासनिक शैली के लिए जाने जाने वाले तुकराम मुंढे 2005 बैच के आईएएस अधिकारी हैं, जिनका अपने 20 साल के करियर में 24 बार तबादला हो चुका है। वे वर्तमान में दिव्यांग कल्याण निदेशालय में सचिव के पद पर कार्यरत हैं।

कनेरी मठाधीश पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का मामला दर्ज

सांगली। महाराष्ट्र के सांगली जिले में कनेरी मठ के श्री कडसिद्धेश्वर स्वामी महाराज के खिलाफ लिंगायत समुदाय की धार्मिक भावनाओं को कथित तौर पर ठेस पहुंचाने के आरोप में आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। यह मामला अक्टूबर 2025 में जत तहसील के बिलूर में एक प्रवचन के संबंध में दर्ज किया गया है।

एक दिन में 37 विधेयक पेश करने का रिकॉर्ड

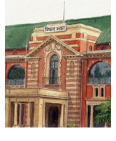

मुंबई। । विधानसभा के मानसून सत्र में पूर्व मंत्री और विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने एक ही दिन में 30 गैर-सरकारी विधेयक पेश कर महाराष्ट्र विधानसभा के इतिहास में एक नया रिकॉर्ड बनाया था। उनका यह सिलसिला वहीं नहीं रुका। मौजूदा शीतकालीन सत्र में भी उन्होंने 37 गैर-सरकारी विधेयक विचारार्थ रखकर एक और नया रिकॉर्ड दर्ज किया है, जो विधायी इतिहास में एक विशेष उपलब्धि मानी जा रही है। मुनगंटीवार द्वारा प्रस्तुत ये विधेयक मुख्यत: किसान, विद्यार्थी, महिला, पर्यावरण, ग्रामीण विकास और जनहित जैसे महत्वपूर्ण विषयों से संबंधित हैं और सामाजिक संतुलन के साथ प्रगति का स्पष्ट परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत करते हैं। इन विधेयकों में से कुछ पर मौजूदा सत्र में ही चर्चा होने की संभावना है। आमतौर पर गैर-सरकारी विधेयक विधायक को समाज से जुड़े मुद्दों को कानून के रूप में उठाने का अवसर देते हैं, वहीं कई बार ऐसे विधेयक सरकार को नीतिगत परिवर्तन के लिए भी प्रेरित करते हैं।

नारेबाजी से गूंजा नागपुर

- महाराष्ट्र विधानसभा के पहले दिन निकलीं चार रैलियां
- प्रदर्शनकारियों ने सरकार को दी चेतावनी

डीबीडी संवाददाता । नागपुर

महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन नागपुर में विधानभवन परिसर नारों से गूंज उठा। "अधिकार दो, न्याय दो, सम्मान से जीने का मौका दो" जैसे नारों के साथ हज़ारों प्रदर्शनकारियों ने मार्च निकालकर सरकार को घेरने की कोशिश की। यशवंत स्टेडियम से मॉरिस कॉलेज टी-पॉइंट तक निकले आंदोलनों में सामाजिक संगठन, कर्मचारी संघ और विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हुए। विधानसभा के पहले दिन विदर्भ विकलांग संघर्ष समिति, डॉ बाबासाहेब अंबेडकर विकास मंच, युवा शैक्षणिक व सामाजक न्याय संगठन एवं डिंडोरा प्रकल्पग्रस्त संघर्ष समिति ने ध्वजों, तख्तियां और ढोल के साथ रैलियां निकालीं। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से जनकल्याण, शिक्षा, रोज़गार और भूमि के मुआवज़े जैसे मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई की मांग की।

डिंडोरा परियोजना पीड़ितों की हुंकार

चंद्रपुर जिले के डिंडोरा बैराज प्रभावितों ने भूमि अधिग्रहण मुआवज़े को बेहद कम बताते हुए विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि परियोजना की लागत 477 करोड़ से बढ़कर 1,600 करोड़ हो गई, लेकिन विस्थापितों को मात्र 58 करोड़ की एकमुश्त सहायता देना अन्याय है।

शिक्षा नीति पर सवाल

राज्य के जिला परिषद स्कूलों में शत-प्रतिशत शिक्षक भर्ती की मुख्य मांग को लेकर युवा शैक्षिक एवं सामाजिक न्याय संगठन द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन में प्रदर्शनकारियों ने सरकार की शिक्षा नीति पर रोष व्यक्त किया। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रहे संगठन के अध्यक्ष संदीप कांबले ने कहा कि सरकार कम नामांकन वाले जिला परिषद स्कूलों में संविदा के आधार पर शिक्षकों की भर्ती कर रही है। इसके कारण राज्य के 20 जिला परिषद स्कूल बंद होने जा रहे हैं। भर्ती प्रक्रिया को लागू करते समय गुणवत्ता की अनदेखी की जा रही है। पवित्र पोर्टल के माध्यम से भर्ती करते समय कला, खेल, शारीरिक शिक्षा शिक्षक, कार्य अनुभव और कंप्यूटर शिक्षकों पर विचार नहीं किया जाता है।

विकलांग संगठनों का टकराव

विदर्भ विकलांग संघर्ष समिति के मार्च के दौरान पुलिस और पदयात्रियों के बीच हल्की झड़प की स्थिति बनी। बैरिकेड हटाने की कोशिश पर तनाव बढ़ा, हालांकि पुलिस के हस्तक्षेप से मामला शांत कराया गया। पिछले वर्ष हुए हंगामे को देखते हुए प्रशासन ने इस बार अतिरिक्त सुरक्षा तैनात कर रखी थी। समिति ने संजय गांधी निराधार योजना का लाभ 5,000 रुपये करने की मांग दोहराई।

शिंदे गुट के 22 विधायक नाखुश, बीजेपी में जाएंगे: आदित्य ठाकरे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे के बीच चल रही तनातनी के बीच विपक्षी नेता आदित्य ठाकरे ने ऐसा बयान दिया है जिसके बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने 8 दिसंबर ने महायुति के 22 विधायकों को लेकर जो दावा किया है, वो डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की टेंशन बढ़ा दी है। आदित्यन ठाकरे ने सोमवार को कहा कि महायुति गठबंधन के 22 विधायक फडणवीस के करीब आ गए हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का जिक्र करते हुए यह बात कही। उनका दावा है कि ये विधायक जल्द ही अपना पक्ष बदल सकते हैं। अगर ये बयान सच साबित होता है तो महायुति में शिंदे और उनकी शिवसेना कमजोर पड़ जाएगी।

फडणवीस के पास फंड है

शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का नाम लिए बिना, आदित्य ठाकरे ने कहा, खजाना पक्ष में एक पार्टी और दो गुट हैं। एक गुट के बाईस विधायक मुख्यमंत्री के करीब आ गए हैं। उनके पास अच्छे फंड हैं, और वे मुख्यमंत्री की धुन पर नाचने लगे हैं। विधान भवन परिसर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने आगे दावा किया कि ये 22 विधायक पाला बदलने के लिए तैयार हैंर और इनमें एक उद्योग मंत्री उदय सामंत भी शामिल हैं।

गोवा अग्निकांड

देश से भागे 25 लोगों की मौत का 'गुनहगार' क्लब मालिक

- मुंबई से इंडिगो विमान से भागे आरोपी

एजेंसी । पणजी

नियमों को ताक पर रखकर दिल्ली के दो कारोबारियों ने गोवा में नाइट क्लब खोला था। नाइट क्लब की बनावट से लेकर वहां की सुरक्षा व्यवस्था तक में भारी लापरवाही बरती गई थी। नतीजा यह हुआ कि 6 दिसंबर की रात को नाइट क्लब में लगी आग ने 25 लोगों की जान ले ली। इतने बड़े हादसे के बाद जब जिम्मेदारों को अपनी जिम्मेवारी उठानी थी, तब वो चुपचाप भारत छोड़कर भाग निकले। जी हां, गोवा के जिस बर्च बाई रोमियो लेन नाइट क्लब में बीते दिनों आग लगी थी, उसका मालिक भारत छोड़ कर थाईलैंड भाग चुका है। इस बात की जानकारी तब सामने आई जब सोमवार को मामले की जांच में जुटी टीम ने दिल्ली में क्लब मालिकों के ठिकानों पर छापेमारी की।

क्लब के मालिक गौरव और सौरभ नहीं मिले

दरअसल बर्च बाई रोमियो लेन फायर इंसीडेंट की जांच में गोवा पुलिस लगातार तेजी से कार्रवाई कर रही है। FIR दर्ज होते ही पुलिस की एक टीम तुरंत दिल्ली रवाना की गई, जहां आरोपियों गौरव लूथरा और सौरभ लूथरा के ठिकानों पर छापेमारी की गई। दोनों वहां मौजूद नहीं मिले, जिसके बाद उनके आवास पर कानून के तहत नोटिस चस्पा किया गया। पुलिस ने बताया कि 7 दिसंबर की शाम तक दोनों के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (LOC) जारी कर दिया गया था। मुंबई इमिग्रेशन को जब संपर्क किया गया तो पता चला कि दोनों आरोपी 7 दिसंबर की सुबह 5 :30 बजे इंडिगो की फ्लाइट 6E 1073 से फुकेत के लिए रवाना हो गए थे!

गोवा पुलिस ने CBI की इंटरपोल डिवीजन से किया संपर्क

गोवा पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़ने के लिए CBI की इंटरपोल डिवीजन से भी संपर्क किया है, ताकि जल्द से जल्द उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित हो सके। इस बीच, पुलिस ने दिल्ली से भारत कोहली को हिरासत में लेकर ट्रांजिट रिमांड हासिल कर लिया है। उसे आगे की पूछताछ के लिए गोवा लाया जा रहा है। मालूम हो कि इस मामले में अंजुना पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 105, 125, 125(ए), 125(बी), 287 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जापान में 7.6 तीव्रता के भूकंप के बाद सुनामी

टोक्यो। उत्तरी जापान के तट के पास सोमवार को 7.6 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए। इसके बाद क्षेत्र के तटीय इलाकों में 40 सेंटीमीटर तक की सुनामी आई। जापानी मौसम विज्ञान एजेंसी ने यह जानकारी दी। एजेंसी के अनुसार भूकंप का केंद्र आओमोरी प्रांत के ठीक पूर्व और होक्काइडो द्वीप के दक्षिण में था। 40 सेंटीमीटर ऊंची सुनामी की लहरें होक्काइडो के उराकावा कस्बे और आओमोरी प्रांत मुत्सु ओगावारा बंदरगाह पर दर्ज की गईं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आओमोरी प्रांत के हाचिनोहे. शहर में एक होटल में कई लोग घायल हो गए। प्रधानमंत्री ताकाइची ने पत्रकारों से बताया कि सरकार ने नुकसान का आकलन करने के लिए आपातकालीन टास्क फोर्स का गठन कर दिया है। उन्होंने कहा कि हम लोगों की जान को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं और हर संभव कदम उठा रहे हैं। साथ ही क्षेत्र के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में सुरक्षा जांच की जा रही है।

अपने पुराने बैंक खाते में पैसे जमा करके भूल गए?

जो आपका है उसे वापस दिलाने में आरबीआई आपकी मदद करेगा।

आपके बैंक के निष्क्रिय खाते (2 वर्ष से ज़्यादा और 10 वर्ष तक असक्रिय) में जमा पैसे / दावा न की गई जमा राशि (10 वर्ष से अधिक) को आरबीआई के डीईए फंड में ट्रांसफर कर दिया जाता है। आप या आपके क़ानूनी वारिस उसे कभी भी वापस ले सकते हैं।

जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता निधि दीया फंड DEPOSITOR EDUCATION AND AWARENESS FUND

आपके पैसे वापस पाने के 3 आसान चरण

1. आपके बैंक की किसी भी शाखा में जाएं, भले ही वो आपकी नियमित शाखा न हो।
2. केवाईसी दस्तावेजों (आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस) के साथ फॉर्म जमा करें।
3. सत्यापन के बाद ब्याज समेत, यदि है तो, अपने पैसे वापस पाएं।

आपके दावा न किए गए पैसे के बारे में जानने के लिए

आपके बैंक की वेबसाइट पर खोजें या आरबीआई के UDGAM पोर्टल **(https://udgam.rbi.org.in)** पर देखें, जिसमें फ़िलहाल 30 बैंक शामिल हैं।

क्यूआर कोड स्कैन कीजिए

अधिक जानकारी के लिए **https://rbikehtahai.rbi.org.in** देखिए
प्रतिक्रिया के लिए **rbikehtahai@rbi.org.in** पर लिखिए

आधिकारिक व्हॉट्सऐप नंबर 99990 41935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

राज्य में न्यूनतम तापमान में गिरावट जारी

- अगले दो दिन शीतलहर की चेतावनी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राज्य में पिछले कुछ दिनों से लगातार कड़ाके की ठंड पड़ रही है। न्यूनतम तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की गई है, जिसकी वजह से ठंड का प्रकोप और बढ़ गया है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक इसी तरह की सर्दी बने रहने की संभावना जताई है।

खानदेश-विदर्भ में शीतलहर की चेतावनी

खानदेश विभाग के अनुसार उत्तर भारत से ठंडी हवाओं का प्रवाह बढ़ा है, जिससे महाराष्ट्र के कई हिस्सों में शीतलहर के हालात बने हुए हैं। मध्य महाराष्ट्र, खानदेश और विदर्भ में अगले दो से तीन दिन तक शीतलहर की चेतावनी जारी की गई है। इस अवधि में न्यूनतम तापमान 15 से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

विदर्भ में तापमान सबसे नीचे

सोमवार को कोलाबा केंद्र में न्यूनतम तापमान 22 .2 डिग्री सेल्सियस, जबकि सांताक्रूज में 18 .4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य में सबसे कम तापमान यवतमाल में 8 .8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। इसके अलावा गोंदिया में 9, अमरावती 9 .6, नांदेड़ 9 .9, मालेगांव 9, जलगांव 9 .4 और अहमदनगर में 9 .5 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। विदर्भ में पहले से लागू शीतलहर चेतावनी के बीच तापमान में और गिरावट दर्ज होने की आशंका है।

विधानसभा में भिवंडी गंदगी और सफाई घोटाले की गूंज

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका क्षेत्र में जगह-जगह जमा कचरे और उससे उठती बदबू ने नागरिकों को परेशान कर रखा है। करोड़ों रुपये की सफाई व्यवस्था होने के बावजूद शहर में गंदगी की समस्या जस की तस बनी हुई है। नागरिकों का आरोप है कि साफ-सफाई के नाम पर मनपा अधिकारी और ठेकेदार मिलकर भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, जिससे शहर की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। कचरे और गंदगी की इस गंभीर समस्या को देखते हुए विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान तारांकित प्रश्न संख्या 20346 के तहत कार्रवाई की मांग उठाई गई है। बताया गया है कि साईंबाबा नगर से लेकर कल्याण नाका फ्लाईओवर के नीचे तक भारी मात्रा में कचरा जमा है, जिसकी वजह से मच्छरों का संक्रमण, दुर्गंध और बीमारियों का जोखिम बढ़ गया है। इसी मुद्दे पर चार विधायकों ने मनपा आयुक्त से जवाब मांगा है।

पांच प्रभागों में पांच ठेके

भिवंडी मनपा के अंतर्गत पांच प्रभागों में अलग-अलग पांच कंपनियों को कचरा उठाने का ठेका दिया गया है। इन ठेकों के तहत रोजाना 110 घंटा गाड़ियां, 34 डंपर, 10 जेसीबी और 213 मजदूरों की तैनाती दिखाई जाती है। लेकिन समाज सेवकों के अनुसार यह आंकड़े केवल कागजों में सीमित हैं। नागरिकों ने मांग की है कि वास्तविक स्तर पर जांच कर दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

▶▶ तारांकित प्रश्न संख्या 20346 के तहत कार्रवाई की मांग

मनपा और ठेकेदारों की मिलीभगत का आरोप

नागरिकों और समाज सेवियों ने आरोप लगाया है कि मनपा के सफाई विभाग और ठेकेदारों की मिलीभगत के कारण संसाधनों में बड़ी कटौती की जा रही है। भले ही ठेके में घंटा गाड़ियां, डंपर, जेसीबी और मजदूरों की नियुक्ति दिखाई जाती हो, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति पूरी तरह भिन्न है। सफाई के संसाधनों में इस कथित घोटाले के कारण भ्रष्टाचार की आशंका जताई जा रही है।

मनपा प्रशासन में हड़कंप

कांग्रेस विधायक ज्योति गायकवाड, भाई जगताप सहित कुल चार विधायकों द्वारा उठाए गए तारांकित प्रश्न पर मनपा आयुक्त से जवाब तलब किया गया है। इस कार्रवाई के बाद मनपा प्रशासन, ठेकेदार और संबंधित अधिकारी हरकत में आ गए हैं और इस मुद्दे को दबाने की कोशिशें भी जारी हैं। समाज सेवक इरफान पटेल ने इस संदर्भ में मुख्य सचिव को शिकायत पत्र देने की भी मांग की है ताकि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो सके।

720 परिवारों के साथ एमआईडीसी प्रशासन का अन्याय

▶▶ कमर्शियल दर पर पानी बिल से नाराजगी
▶▶ सोसायटी अध्यक्ष योगेश चव्हाण का आमरण अनशन शुरू

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

घणसोली की ऑरम सोसायटी में रह रहे 720 परिवारों से पीने के पानी का बिल कमर्शियल दर से वसूले जाने पर नागरिकों में तीखा आक्रोश फैल गया है। इसे अवैध बताते हुए सोसायटी अध्यक्ष योगेश चव्हाण ने एमआईडीसी कार्यालय के बाहर आमरण अनशन शुरू कर दिया है। चव्हाण का कहना है कि रिहायशी क्षेत्र को व्यावसायिक दर लागू करना अन्यायपूर्ण है और मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

उधर, एमआईडीसी प्रशासन की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया अभी सामने नहीं आई है, हालांकि सूत्रों के अनुसार अनशन शुरू होने के बाद आंतरिक चर्चा शुरू कर दी गई है। इस पूरे विवाद ने घणसोली क्षेत्र में पानी दर निर्धारण की नीति, नागरिकों की आर्थिक परेशानी और प्रशासनिक उदासीनता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोग कहते हैं कि आवासीय इलाके को रिहायशी दर पर पानी मिलना उनका मूल अधिकार है और इसे हासिल करने के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

एमआईडीसी पर ठोस कार्रवाई न करने का आरोप

चव्हाण के अनुसार, कमर्शियल दर के कारण हर महीने हजारों रुपये का अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। कई बार शिकायतों के बाद भी एमआईडीसी ने समाधान की दिशा में गंभीर कदम नहीं उठाए, जिसके चलते नागरिकों को अनशन करना पड़ा। इस आंदोलन को सोसायटी के निवासियों के साथ शहर की सामाजिक संस्थाओं और नागरिकों का भी समर्थन मिल रहा है, जिन्होंने "रिहायशी दर लागू करो" और "आर्थिक शोषण बंद करो" के नारे लगाकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया।

न्यूज ब्रीफ

भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि

मुंबई। 8 दिसंबर को भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर भुसावळ मंडल में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंडल रेल प्रबंधक पुनीत अग्रवाल ने मंडल रेल कार्यालय में डॉ. आंबेडकर के छायाचित्र पर पुष्पहार अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में भारतीय संविधान के शिल्पकार एवं सामाजिक न्याय के प्रणेता को भावपूर्ण याद किया गया। इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक पुनीत अग्रवाल, अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रशासन) सुनील कुमार सुमन, अपर मंडल रेल प्रबंधक (तकनीकी) एम. के. मीना सहित विभिन्न यूनियनों के प्रतिनिधि मौजूद थे। सभी मान्यवरों ने बाबासाहेब के जीवन, कार्य और सामाजिक सुधार में उनके योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर वरिष्ठ शाखा अधिकारी एवं रेल कर्मचारियों ने भी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर मध्य रेलवे का सम्मान समारोह

सोलापुर। मध्य रेलवे के सोलापुर मंडल ने 8 दिसंबर, 2025 को भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया। मंडल रेल प्रबंधक डॉ. सुजीत मिश्रा, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री अंशुमाली कुमार और मुख्य परियोजना प्रबंधक श्री शैलेंद्र सिंह परिहार ने प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन किया, तथा सामूहिक बुद्ध वंदना हुई। कार्यक्रम में डॉ. मिश्रा ने सामाजिक सशक्तिकरण, समानता और मानवाधिकार में डॉ. आंबेडकर के योगदान पर प्रकाश डाला और अधिकारियों-कर्मचारियों को उनके आदर्शों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। यूनियनों और संघों के प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार साझा किए। सभी शाखा अधिकारियों, कर्मचारियों और संघों के पदाधिकारी उत्साहपूर्वक शामिल हुए, जिससे डॉ. आंबेडकर की अद्वितीय विरासत के प्रति सामूहिक सम्मान प्रदर्शित हुआ।

यूपीएससी मेन्स पास विद्यार्थियों के लिए मॉक इंटरव्यू का आयोजन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

UPSC इंटरव्यू को लेकर छात्रों पर भारी दबाव रहता है और कई विद्यार्थी इंटरव्यू के डर से तनाव में रहते हैं। इसी समस्या को समझते हुए ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के चिंतामनराव देशमुख एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट ने हाल ही में UPSC इंटरव्यू की तैयारी कराने के लिए एक मॉक इंटरव्यू आयोजित किया।

उच्च पदस्थ अधिकारियों ने किए इंटरव्यू

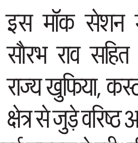

इस मॉक सेशन में टीएमसी कमिश्नर सौरभ राव सहित परमाणु ऊर्जा, रेलवे, राज्य खुफिया, कस्टम, टैक्स, तथा शिक्षण क्षेत्र से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों और UPSC-MPSC के एक्सपर्ट गाइड्स ने परीक्षार्थियों का इंटरव्यू लिया। पैनल में मौजूद अधिकारियों ने वास्तविक UPSC इंटरव्यू के माहौल जैसा अनुभव छात्रों को देने पर जोर दिया। सेशन में इंटरव्यू के सवालों के उत्तर देने के तरीकों, बॉडी लैंग्वेज, आई कॉन्टैक्ट और प्रश्नों की गहराई समझने पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया।

20 दिसंबर को री-मॉक इंटरव्यू

इंस्टीट्यूट 20 दिसंबर को एक री-मॉक इंटरव्यू आयोजित करने जा रहा है। इस पैनल में पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव के.पी. बख्शी, एनआईए के डॉ. शैलेंद्र मिश्रा, डीआईजी मोक्षदा पाटिल सहित कई वरिष्ठ IAS, IPS, IRS और अन्य सेवाओं के विशेषज्ञ शामिल होंगे।

आवेदन के लिए ईमेल और फोन सुविधा

जो छात्र री-मॉक इंटरव्यू में शामिल होना चाहते हैं, वे अपना DAF-2 संस्थान की ईमेल आईडी cdinstitute@thanecity.gov.in पर भेज सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए छात्र संस्थान के टेलीफोन नंबर 25881421 पर संपर्क कर सकते हैं।

एमबीएमसी ने 5 वर्षीय बच्चे को थेरेपी देने से किया इनकार

विनय दूबे । भाईंदर

एमबीएमसी के संबंधित विभाग ने एक 5 वर्षीय बच्चे के पास दिव्यांग प्रमाणपत्र नहीं होने के कारण जरूरी स्पीच थेरेपी देने से इनकार कर दिया। संबंधित विभाग के अधिकारी ने प्रमाणपत्र के अभाव में मानवता को दरकिनार किया।

बॉर्डरलाइन इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी से ग्रसित है बच्चा

भाईंदर शहर में रहने वाले गुप्ता दंपति के 5 वर्षीय पुत्र शिवांश बोल नहीं पाता क्योंकि वह बॉर्डरलाइन इंटेलेक्चुअल डिसेबिलिटी (बौद्धिक अक्षमता) से ग्रसित है। स्पीच थेरेपी से उसका इलाज संभव है। बच्चे के पिता स्थानीय फोटो स्टूडियो में काम करके परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। इसी कारण बच्चे की मां उसे एमबीएमसी के थेरेपी केंद्र में ले गई, जहाँ बच्चे को थेरेपी देने से इंकार कर दिया गया। वजह थी कि बच्चे के पास दिव्यांग प्रमाणपत्र नहीं था।

दिव्यांग क्रांति संस्था का विरोध, कार्रवाई की मांग

प्रहार दिव्यांग क्रांति संस्था, ठाणे की जिलाध्यक्ष काजल नाईक ने मनपा के अमानवीय फैसले के खिलाफ रोष प्रकट किया। उन्होंने कहा कि मनपा का थेरेपी केंद्र सिर्फ दिव्यांगों के लिए है और दिव्यांग प्रमाणपत्र नहीं होने के कारण 5 साल के मासूम को थेरेपी से वंचित करना निंदनीय है। काजल नाईक ने कहा कि एमबीएमसी के कुछ भ्रष्ट अधिकारी ही मनमानी करते हैं। ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए।

क्या कहा नगरसेवक ने ?

बच्चे के इलाज को लेकर नगरसेवक ओमप्रकाश गारोड़िया का कहना है कि बच्चे को समय पर मदद मिलनी चाहिए, न कि बेवजह की प्रक्रियाओं में उलझाया जाए।

सरकारी निर्देशों की अवहेलना

सवाल यह उठता है कि सरकारी अस्पताल के पेपर में थेरेपी के स्पष्ट निर्देश दिए जाने के बावजूद सिर्फ दिव्यांग प्रमाणपत्र नहीं होने के कारण थेरेपी नहीं देना गंभीर विषय है। प्रमाणपत्र बनाने की प्रक्रिया आसान नहीं है और तब तक बच्चे को थेरेपी नहीं देना मानवता के खिलाफ है।

मध्य रेलवे ने 10 दिसंबर से ट्रेनों की समय-सारिणी संशोधित की

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मध्य रेलवे ने 10 दिसंबर 2025 से कुछ चुनिंदा ट्रेनों के प्रस्थान समय में बदलाव की घोषणा की है, ताकि संचालन को सुव्यवस्थित किया जा सके, समयपालन में सुधार हो और संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। सोलापुर मंडल से गुजरने वाली प्रमुख ट्रेनों में बदलाव के तहत, एलटीटी मुंबई - चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस का मुंबई से प्रस्थान समय 18:30 बजे और पुणे - सोलापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस का पुणे से प्रस्थान समय 09:25 बजे कर दिया गया है।

मुंब्रा में करोड़ों की चरस के साथ पकड़ा गया आरोपी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

मुंब्रा पुलिस स्टेशन और ठाणे शहर के एनडीपीएस पथक को नशा विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने ड्रग्स तस्करी में शामिल आरोपी मोहम्मद हारून हसरत अली सिद्दीकी (42 वर्ष), निवासी मुंब्रा, ठाणे को गिरफ्तार कर उसके पास से 2 किलो 205 ग्राम चरस बरामद की है। इस चरस की बाजार कीमत लगभग 1 करोड़ 10 लाख 25 हजार रुपये बताई जा रही है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल शिंदे के निर्देश पर मुंब्रा क्षेत्र में पेट्रोलिंग कर रही एनडीपीएस टीम ने कौसा, एरोली-मुंब्रा ब्रिज टनेल के पास आरोपी को संदिग्ध गतिविधि करते देखा। पुलिस को देख आरोपी भागने लगा, लेकिन टीम ने उसका पीछा कर उसे पकड़ लिया।

एनडीपीएस टीम की लगातार सफलताएँ

मुंब्रा एनडीपीएस टीम की अब तक की कार्रवाई में कुल 324 नशा सेवनकर्ताओं पर कार्रवाई और 27 तस्करों की गिरफ्तारी शामिल है। इन सभी मामलों में कुल 3,41,05,000 मूल्य के अमली पदार्थ बरामद किए गए हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशे के कारोबार में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। इस सफलता में पुलिस आयुक्त, ठाणे शहर, वरिष्ठ अधिकारियों और एनडीपीएस दल के सभी सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

आरोपी और उसके नेटवर्क की जांच

गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और न्यायालय ने उसे 8 दिसंबर 2025 तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया। पूछताछ में पता चला कि आरोपी चरस जम्मू-कश्मीर से मंगवाकर ठाणे और आसपास के क्षेत्रों में बेचता था। उसके खिलाफ राजस्थान के अजमेर में भी मामला दर्ज है। पुलिस अब उसके अन्य सप्लाई नेटवर्क और संपर्कों की जांच कर रही है ताकि पूरे तस्करी नेटवर्क को उजागर किया जा सके।

कुष्ठ रोग पहचान मुहिम का सफल क्रियान्वयन

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

केंद्र और महाराष्ट्र सरकार ने 2027 तक जीरो लेप्रोसी प्रिवेलेंस हासिल करने का लक्ष्य तय किया है। इसी के तहत पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर लेप्रोसी पहचान अभियान चलाया गया। ठाणे ज़िले में कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल और सीईओ मनोज रानाडे के मार्गदर्शन में यह अभियान ग्रामीण और उच्च जोखिम वाले शहरी इलाकों में प्रभावी ढंग से लागू किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य समुदाय में छिपे कुष्ठ रोगियों का पता लगाना, उन्हें तुरंत मल्टी-ड्रग थेरेपी (MDT) देना, संक्रमण की चेन तोड़ना और लोगों में जागरूकता बढ़ाना था। असिस्टेंट डायरेक्टर (लेप्रोसी) डॉ. मनीष रेंगे ने बताया कि यह पहल 2027 तक जीरो लेप्रोसी लक्ष्य हासिल करने में अहम भूमिका निभाएगी।

लक्षण पहचान बेहद ज़रूरी

विशेषज्ञों के अनुसार लेप्रोसी के लक्षणों में त्वचा पर पीले-लाल धब्बे, पसीना न आना, गांठें, कान के लोब का मोटा होना, हथेलियों-पैरों में सुन्नपन, सेंसेशन की कमी आदि शामिल हैं। समय पर पहचान न होने पर डिफॉर्मिटी की आशंका रहती है। इसलिए जल्द डायग्नोसिस और इलाज ज़रूरी है।

ग्रामीण क्षेत्रों में विस्तृत सर्वे

अभियान के दौरान ग्रामीण ठाणे में 1,058 टीमों ने 13.95 लाख लोगों की जांच की। 7,392 संदिग्ध मिले, जिनमें से 105 नए मरीज़ों की पुष्टि हुई। अंबरनाथ, मुरबाद, शहापुर, भिवंडी और कल्याण में सबसे अधिक आबादी कवर हुई, जबकि शहापुर और भिवंडी में सबसे ज़्यादा केस सामने आए।

शहरी इलाकों में भी पहचान

नगरपालिका और नगर निगम क्षेत्र में 2,431 टीमों ने 9.22 लाख घरों का सर्वे किया और 39.80 लाख लोगों की जांच की। यहां 85 नए केस डायग्नोस हुए। जिले में ग्रामीण और शहरी इलाकों को मिलाकर कुल 186 कुष्ठ रोगी मिले। यह अभियान हेल्थ विभाग, पीएचसी, जिला अस्पताल, आशा सेविकाओं, NGO और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से पूरा हुआ और लोगों में यह संदेश दिया गया कि कुष्ठ रोग पूरी तरह ठीक हो सकता है और इसके लिए मुफ़्त इलाज उपलब्ध है।

पति ने पत्नी को मारपीट कर घर से निकाला, केस दर्ज

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी के भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में रहने वाली 32 वर्षीय विवाहित महिला को उसके पति ने अस्पताल में ज़्यादा खर्च होने के कारण घर से बाहर निकाल दिया। मामला तब सामने आया जब महिला ने पति द्वारा लगातार मारपीट और प्रताड़ना से तंग आकर शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता ने बेटे को जन्म देने के बाद अस्पताल का बिल अधिक आने की बात कही, जिसके बाद पति ने उसे मायके से पैसे लाने के लिए दबाव बनाया और मना करने पर गाली-गलौज व मारपीट की।

पति ने घर से निकालने के साथ रोकी आर्थिक मदद

पुलिस के अनुसार, पीड़िता का विवाह 3 सितंबर 2018 को मुंबई के गोवंडी निवासी फखरुद्दीन से हुआ था। विवाह के बाद शुरुआती समय सामान्य रहा, लेकिन समय-समय पर मामूली बातों को लेकर झगड़े होते रहे। इसी बीच 5 सितंबर 2025 को महिला ने बेटे को जन्म दिया और 7 सितंबर को छुट्टी मिली। उसके बाद पति ने मायके से पैसे लाने का दबाव बनाया। जब पत्नी ने इंकार किया, तो उसने मारपीट की और अंततः 16 अक्टूबर को उसे घर से निकाल दिया। इतना ही नहीं, पति ने खर्च देने से भी इनकार कर दिया, जिससे महिला को गंभीर आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ा। लगातार धमकी और प्रताड़ना से परेशान होकर पीड़िता ने 6 दिसंबर को भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर आरोपी पति फखरुद्दीन के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 85, 115 (2), 352, 351 (2) और 316 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

6.51 लाख का प्रतिबंधित गुटखा जब्त, दो गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

शांतिनगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में अपराध शाखा ने प्रतिबंधित गुटखा और सुगंधित सुपारी की अवैध बिक्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने कुल लगभग 16.51 लाख रुपये मूल्य का प्रतिबंधित माल जब्त किया। इस कार्रवाई से अवैध तंबाकू कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है।

दो स्थानों पर छापेमारी, दो गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार, 5 दिसंबर की रात अपराध शाखा की टीम ने शांतिनगर स्थित मकसूद भाई बिल्डिंग में छापा मारकर 8.76 लाख रुपये कीमत का प्रतिबंधित गुटखा और तंबाकू बरामद किया और आबदान मोहम्मद अंसारी को गिरफ्तार किया। इसके बाद बशर कॉम्प्लेक्स, किदवई नगर, नागांव-2 क्षेत्र में छापेमारी कर आरोपी गुल मोहम्मद खान के पास से 7.75 लाख रुपये मूल्य का प्रतिबंधित माल जब्त किया गया। दोनों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 और भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत केस दर्ज हुआ है।

स्वास्थ्य से खिलवाड़ की आशंका, जांच जारी

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा गुटखा, पान मसाला और सुगंधित तंबाकू की बिक्री पर प्रतिबंध के बावजूद आरोपी चोरी-छिपे भंडारण और सप्लाई कर रहे थे, जिससे आम नागरिकों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा पैदा हो रहा था। मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक रविंद्र पाटिल कर रहे हैं। साथ ही पुलिस यह पता लगाने में भी जुटी है कि प्रतिबंधित माल किन इलाकों में सप्लाई किया जा रहा था और इसके पीछे कौन सा नेटवर्क सक्रिय है।

समाजवादी पार्टी ने भिवंडी मनपा चुनाव की तैयारियाँ शुरू कीं

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी निज़ामपुर शहर महानगरपालिका के आगामी आम चुनावों को लेकर समाजवादी पार्टी, भिवंडी इकाई ने अपनी तैयारियाँ शुरू कर दी हैं। सोमवार को भिवंडी स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में समाजवादी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष अजय कुमार उर्फ अजय लाला यादव ने मीडिया को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 8 दिसंबर से 15 दिसंबर तक इच्छुक उम्मीदवारों को आवेदन पत्र वितरित किए जाएंगे और इसी अवधि में भरे हुए फार्म भी जमा किए जाएंगे।

अधिकतम सीटें जीतने और मेयर पद के लिए रणनीति

अजय लाला यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी इस बार मनपा चुनाव में अधिकतम सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही है। पार्टी नेतृत्व के निर्देशानुसार भिवंडी मनपा में मेयर पद पर अपना प्रत्याशी बैठाने के लिए पूरी ताकत से चुनाव लड़ा जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व अध्यक्ष अरफात शेख, पूर्व अध्यक्ष अब्दुस्सलाम नूमानी, रियाज़ आज़मी, मुनव्वर शेख, फ़राज़ बहाउद्दीन बाबा, असलम फैजाबादी सहित पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सक्रिय कार्यकर्ताओं को मिलेगा प्राथमिकता टिकट

अजय लाला यादव ने स्पष्ट किया कि पार्टी की ओर से चुनावी टिकट उन्हीं कार्यकर्ताओं को दिया जाएगा, जो पार्टी के अत्यंत सक्रिय सदस्य होंगे और कम से कम 50 नए लोगों को पार्टी से जोड़कर सदस्य बनाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य के वरिष्ठ नेता अबू आसिम आज़मी तथा भिवंडी पूर्व से विधायक रईस शेख द्वारा किए गए विकास कार्यों और उनकी लोकप्रियता को देखते हुए अन्य राजनीतिक दलों के कई कार्यकर्ता समाजवादी पार्टी में शामिल होने के इच्छुक हैं। ऐसे लोकप्रिय और जनाधार वाले लोगों का पार्टी में स्वागत किया जाएगा।

प्रदूषण पर सख्त हुई बीएमसी

बीएमसी ने 9,155 कारण बताओ और 3,770 स्टॉप-वर्क नोटिस भेजे

धीरज सिंह । मुंबई

शहर में वायु प्रदूषण की समस्या तेजी से बढ़ रही है। रविवार को कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 200 के पार पहुंच गया। इस स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बीएमसी ने कई उपाय लागू किए हैं, ताकि शहर में प्रदूषण को कम किया जा सके और नागरिकों की सेहत सुरक्षित रहे। निर्माणाधीन स्थलों पर वायु प्रदूषण नियमों का पालन अनिवार्य है। बीएमसी ने जनवरी से नवंबर तक 9,000 से अधिक निर्माणाधीन स्थलों को "कारण बताओ" नोटिस जारी किया है। यदि नोटिस मिलने के बाद भी नियमों का पालन नहीं किया जाता, तो काम रोको (स्टॉप वर्क) नोटिस जारी किया जाता है। 30 नवंबर तक कुल 9,155 कारण बताओ नोटिस और 3,770 स्टॉप वर्क नोटिस जारी किए जा चुके हैं। नियमों का पालन करने वाले स्थलों का नोटिस रद्द कर दिया गया।

मनपा क्षेत्र में प्रोजेक्ट्स और सेंसर

बीएमसी के अधिकार क्षेत्र में 1,954 निर्माणाधीन प्रोजेक्ट्स हैं। इनमें से 683 प्रोजेक्ट्स में वायु गुणवत्ता सेंसर लगाए जा चुके हैं। हालांकि, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के सर्वर से अभी तक केवल 561 प्रोजेक्ट्स का डेटा लिंक हो पाया है। इन प्रोजेक्ट्स में से 415 की रीडिंग सर्वर पर दिखाई दे रही है, जबकि 84 प्रोजेक्ट्स में तकनीकी दिक्कतें आ रही हैं, जिन्हें दूर करने का काम जारी है।

सर्वर से जोड़ने की प्रक्रिया

अधिकारियों ने बताया कि 146 और प्रोजेक्ट्स को जल्द ही सर्वर से जोड़ा जाएगा। प्रत्येक प्रोजेक्ट में एक AQI सेंसर लगाने में लगभग 4 लाख रुपये खर्च आते हैं। पर्यावरण विभाग ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रोजेक्ट ओनर या सरकारी संस्था को सेंसर लगाने में परेशानी नहीं होनी चाहिए। यदि किसी को कठिनाई आती है, तो विभाग हर संभव सहायता प्रदान करेगा।

यंत्रण में एमपीसीबी की मदद

वर्तमान में बीएमसी के पास केवल एक मोबाइल एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग वैन है। चार नई वैनों के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी है। इस बीच, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (MPCB) ने अपनी 5 मोबाइल वैन बीएमसी को जरूरत अनुसार उपलब्ध कराने की पेशकश की है। इससे शहर में प्रदूषण नियंत्रण की क्षमता बढ़ेगी। अधिकारियों के अनुसार, अतिरिक्त वैन होने से पिछले साल भायखला में निर्माण कार्य रोकने जैसी स्थिति टाली जा सकेगी।

शीत सत्र में उठेगा जीजामाता नगर स्लम पुनर्विकास का मुद्दा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

दक्षिण मुंबई के कालाचौकी स्थित जीजामाता नगर स्लम रीडेवलपमेंट का मामला एक बार फिर गरमा गया है। लंबे समय से रुकी इस परियोजना को लेकर नाराज रहिवासी अब डेवलपर के खिलाफ खुलकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

कई दिनों से चल रहे विरोध के बीच भाजपा एमएलसी प्रवीण दरेकर ने शनिवार को धरना स्थल पर पहुंचकर रहिवासियों से मुलाकात की। उन्होंने इस मुद्दे को नागपुर शीतकालीन सत्र में उठाने का आश्वासन दिया, जिसके बाद अनशन पर बैठे लोगों ने अपना आंदोलन समाप्त कर दिया। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी है कि 16 दिसंबर तक ठोस फैसला न होने पर आंदोलन फिर शुरू होगा।

25 साल से अधर में री-डेवलपमेंट प्रोजेक्ट

स्थानीय लोगों का कहना है कि ओम शांति बिल्डर को सौंपा गया प्रोजेक्ट 25 वर्षों से रूका हुआ है और डेवलपर ने आज तक निर्माण की शुरुआत तक नहीं की। उनका आरोप है कि डेवलपर ने परियोजना की एक भी ईंट नहीं रखी और पूरे प्रोजेक्ट को जानबूझकर लटकाया हुआ है। इस मामले को क्लस्टर प्लान के तहत दोबारा विकसित किए जाने की मांग लगातार उठ रही है।

सिर्फ 150 झोपड़ियों को खाली कर रुक गया काम

जीजामाता नगर क्षेत्र में करीब 3,000 झोपड़ियां हैं, जिनके स्थान पर रीडेवलपमेंट की योजना तैयार की गई थी। इसके लिए एसआरए की मंजूरी भी मिली थी। डेवलपर ने शुरुआती चरण में लगभग 150 झोपड़े खाली कराए और किराया देना शुरू किया, लेकिन इसके बाद निर्माण कार्य पूरी तरह ठप है। प्रभावित लोगों का आरोप है कि कई को समय पर किराया भी नहीं दिया जा रहा।

रहिवासियों ने पहले भी किया था आंदोलन

स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्ष 2023 में भी इसी मामले को लेकर भूख हड़ताल की गई थी। उस दौरान एसआरए की ओर से आश्वस्त किया गया था कि छह महीने के भीतर काम शुरू न होने पर प्रोजेक्ट डेवलपर से वापस ले लिया जाएगा। मगर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस कारण रहिवासी अब एसआरए और सरकार के बीच बार-बार चक्कर लगाने को मजबूर हैं।

सामाजिक न्याय मंत्री शिरसाट के कक्ष की बत्ती गुल

कैबिनेट मंत्रियों के लिए बनाए गए अस्थायी फोटो कक्ष में पहले ही दिन खामी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

विधान भवन परिसर में शीत सत्र के लिए कैबिनेट मंत्रियों को कक्ष कम पड़ने पर सरकार ने 16 मंत्रियों के लिए अस्थायी कक्ष तैयार करवाए हैं। करीब ढाई करोड़ रुपये की लागत से बने ये कक्ष 'फोटो कक्ष' के रूप में हाईटेक और आकर्षक दिखते हैं। हालांकि, सत्र के पहले ही दिन इन कक्षों में कुछ कमियों का पता चलने लगा। सबसे पहले सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट के कक्ष की बत्ती न जलने की समस्या सामने आई, जिस पर उनके ओएसडी दशरथ लवटे ने तीखी आपत्ति जताई।

सुविधाओं के दावे और वास्तविक स्थिति

इन नव-निर्मित कक्षों में मंत्री, ओएसडी, पीए और कार्यालयीन स्टाफ के लिए अलग-अलग कमरे और बैठने की व्यवस्था की गई है। वॉशरूम सहित सभी सुविधाएं देने का दावा किया गया था। लेकिन सोमवार सुबह शीत सत्र के कामकाज में देर होने के कारण मंत्री और उनका स्टाफ धीरे-धीरे अपने-अपने कक्षों में पहुंचे और कई समस्याओं का सामना करना पड़ा।

तकनीकी खराबी और नाराजगी

जैसे ही सामाजिक न्याय मंत्री शिरसाट के ओएसडी दशरथ लवटे अपने कक्ष में पहुंचे, उन्होंने देखा कि कक्ष पूरी तरह अंधेरा था, जबकि आसपास के कक्षों में रोशनी थी। उन्होंने तुरंत आपत्ति जताई, लेकिन कुछ समय तक कोई केयरटेकर मौजूद न होने से वे नाराज़ हो गए। लवटे का कहना था कि "सिर्फ हमारे कक्ष में बिजली नहीं है। अगर तकनीकी खराबी है तो तुरंत दूर की जानी चाहिए।" उन्होंने स्वयं ही केयरटेकर को ढूंढते हुए कक्ष की रोशनी बहाल करने का प्रयास किया।

अस्थायी कक्षों की सूची

विधान भवन परिसर में इन 16 मंत्रियों/जनप्रतिनिधियों के लिए अस्थायी कक्ष बनाए गए हैं: डॉ. अशोक उइके, शंभुराज देसाई, पंकजा मुंडे, अतुल सावे, अदिती तटकरे, एड. माणिकराव कोकाटे, एड. आशीष शेलार, दत्तात्रय भरणे, संजय सावकारे, संजय शिरसाट, नरहरी झिरवाल, जयकुमार गोरे, मकरंद जाधव पाटील, नीतेश राणे, प्रताप सरनाईक, भरत गोगावले।

बाघ और तेंदुए के हमलों में प्रभावित परिवार को सरकारी नौकरी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के वन मंत्री गणेश नाईक ने नागपुर में घोषणा की कि राज्य में बाघ और तेंदुए के हमलों में जान गंवाने वाले परिवारों में से एक को सरकारी नौकरी दी जाएगी। वन विभाग ने इस प्रस्ताव को तैयार कर कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा है और इसे जल्द लागू किया जाएगा। पिछले कुछ महीनों में राज्य में इन हमलों में 48 लोगों की मौत हुई है। वन मंत्री नाईक ने बताया कि सरकार इन हमलों को रोकने के लिए गंभीर है। इसके तहत संरक्षक जाली बनाए जाने, तेंदुओं का अन्यत्र स्थलांतरण और तेंदुओं की नसबंदी जैसे उपायों पर विचार किया जा रहा है। इन कदमों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ाना और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करना है।

हाल के हमलों का आंकड़ा

वन विभाग के अनुसार, सितंबर से नवंबर 2025 के बीच जुन्नार, शिरुर, नासिक और अहिल्यानगर में तेंदुए के हमलों में 14 लोगों की मौत हुई, जिनमें बच्चे और बुज़ुर्ग शामिल हैं। वहीं, जनवरी से नवंबर 2025 तक चंद्रपुर जिले में बाघ के हमलों में 34 लोगों की जान गई। अधिकांश मौतें खेतों या जंगल के पास हुई हैं, जिससे ग्रामीणों में डर और नाराज़गी है, और उनका मानना है कि प्रशासन इन हमलों को रोकने में असफल रहा है।

ओला-रैपिडो के खिलाफ मामला दर्ज

बिना वेरिफिकेशन बाइक और टैक्सी चलाने पर कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई के अंबोली पुलिस थाने ने राइड-शेयरिंग कंपनियों ओला और रैपिडो के डायरेक्टर्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि दोनों कंपनियां राज्य सरकार और रीजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (आरटीए) से अनुमति लिए बिना मुंबई में बाइक-टैक्सी सेवाएं चला रही थीं। पुलिस ने यह मामला आरटीओ की शिकायत पर दर्ज किया, जिसमें कहा गया कि दोनों कंपनियां अपने मोबाइल ऐप के जरिए शहर की सीमाओं में दोपहिया टैक्सी सेवाएं चला रही थीं, जबकि इसके लिए उन्हें कोई आधिकारिक मंजूरी नहीं मिली थी।

नियमों का उल्लंघन और सुरक्षा की चिंता

पुलिस के अनुसार, ओला और रैपिडो लंबे समय से मुंबई में दोपहिया टैक्सी सेवाएं चला रहे हैं और यात्री आसानी से बाइक-टैक्सी बुक कर रहे थे। हालांकि, ट्रांसपोर्ट विभाग से इन सेवाओं को कोई अनुमति नहीं दी गई थी। आरटीओ ने शिकायत में कहा कि रैपिडो लगातार बिना परमिशन ऑपरेट कर रहा है और मोटर व्हीकल एग्रीगेटर गाइडलाइंस 2020 और मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 66 का उल्लंघन कर रहा है। साथ ही, इस तरह की अनधिकृत सेवाओं से यात्रियों, विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठते हैं।

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड

निविदा हेतु आमंत्रण - MRVC/G/106/R

(दोन लिफाफा ई-प्रोक्योरमेंट निविदा प्रक्रिया)

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेट लि., कॉर्पोरेट कार्यालय, दूसरी मंजिल, चर्चगेट स्टेशन भवन, मुंबई-400020 द्वारा, **"विरार-दहानू और पनवेल-कर्जत परियोजना में आवश्यक पूर्ण टी एंड पी उपकरणों के साथ बिजली आपूर्ति उपकरणों की स्थिति की निगरानी के लिए मोबाइल इंस्ट्रूमेंटेशन वैन की खरीद"** हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा के विवरण तथा निविदा दस्तावेज ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **https://www.eprocure.gov.in/eprocure/app** पर उपलब्ध हैं। वेबसाइट **https://www.eprocure.gov.in/eprocure/appp** पर परिपूर्ण ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि **13.01.2026, दोपहर 15.00** बजे तक है। **शुद्धिपत्र, यदि कोई है, केवल वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किया जायेगा।**

'चाहे कितना भी बल इस्तेमाल करें, हम अडानी को भगा देंगे'

धारावी रीडेवलपमेंट के विरोध में ऑल-पार्टी मीटिंग

दीपक पवार । मुंबई

धारावी रीडेवलपमेंट परियोजना को लेकर स्थानीय लोगों में गुस्सा बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को धारावी में आयोजित ऑल-पार्टी मीटिंग में प्रशासन की मनमानी और अडानी ग्रुप की भूमिका को लेकर तीखा विरोध दर्ज किया गया। बैठक में यह तय किया गया कि चाहे जितना भी बल प्रयोग किया जाए, धारावी के लोगों को बेदखल नहीं होने दिया जाएगा और रीडेवलपमेंट धारावी में ही होना चाहिए।

सरकार की साज़िश और अडानी पर आरोप

बैठक को संबोधित करते हुए उभाठा पार्टी के सांसद अनिल देसाई ने आरोप लगाया कि सरकार अडानी को संरक्षण देकर धारावी की ज़मीन पर कब्जा करवाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार धारावी को गरीब समझकर जमीन हड़पने की योजना बना रही है, लेकिन स्थानीय नागरिक और दल मिलकर इसका विरोध जारी रखेंगे। MLA महेश सावंत ने आश्वासन दिया कि वे नागपुर सेशन में धारावीकरों का मुद्दा पुरज़ोर तरीके से उठाएंगे।

कई दलों के नेताओं की उपस्थिति, विस्थापन पर चिंता

इस ऑल-पार्टी मीटिंग में वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता कॉमरेड प्रकाश रेड्डी, कॉमरेड शैलेंद्र कांबले, AAP मुंबई प्रेसिडेंट प्रीति मेमन शर्मा, पूर्व विधायक बाबूराव माने सहित कई नेताओं ने सरकार की योजना को "विस्थापन का खतरा" बताते हुए आलोचना की। नेशनलिस्ट कांग्रेस, कांग्रेस, शेकाप, AAP, MNS समेत कई संगठनों के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग बैठक में मौजूद रहे। सभी ने रीडेवलपमेंट में हो रहे पक्षपात और अन्याय के खिलाफ संयुक्त संघर्ष का आह्वान किया।

जयहिंद गांधीनगर सहकारी गृहनिर्माण संस्था (नियोजित)

गरूडा पेट्रोल पंप समोर, गांधी नगर, कांदिवली (पश्चिम), मुंबई - ४०० ०६७

श्री सय्यद वजीर बशीर (मुख्य प्रवर्तक)

संदर्भ क्रं.: दिनांक :

-: सर्वसाधारण सभेची जाहिर सूचना :-

उ.भू.क्र. ४८६ ते ४९५, ४९७ ते ५०१, ५१२ ते ५१५, ५१८, ५३६, ५३८, ५३१(पं), ५४३, ७३८ (पै) मिळकतीवरील आर/द विभाग, मौजे कांदिवली, ता. बोरीवली, गांधीनगर, कांदिवली (प.), मुंबई ४०० ०६७ येथील जयहिंद गांधीनगर सहकारी गृहनिर्माण संस्था (नियो.) मधील पात्र झोपडीधारकांच्या / रहिवाश्यांच्या प्रस्तावित पुनर्वसन योजनेसंदर्भात सर्वसाधारण सभा **बुधवार दि. २४.१२.२०२५ रोजी वेळ सकाळी १०:०० वाजता, ठिकाण श्री श्याम सत्संग भवन हॉल, एकता नगर, न्यू लिंक रोड, कांदिवली (प.), मुंबई- ४०० ०६७** येथे आयोजित केली आहे. दि. १८.११.२०१९ व दि. २७.१०.२०२५ रोजीच्या मा. शिखर तक्रार निवारण समितीच्या (AGRC) आदेशान्वये झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरणाच्या प्राधिकृत अधिका यांसमोर पात्र सभासदांची घेण्यात येणारी सर्वसाधारण सभेमध्ये खालील प्रमाणे ठराव मंजूर करण्यात येणार आहे.

-: सर्वसाधारण सभेचे विषय :-

१. दि. १८.११.२०१९ व दि. २७.१०.२०२५ रोजीच्या मा. शिखर तक्रार निवारण समितीच्या (AGRC) आदेशान्वये विकासकाच्या नियुक्तीबाबत पुष्टी (Re-Confirmation) करणेबाबत.
२. आयत्यावेळी येणा या अन्य विषयांवर अध्यक्षांच्या परवानगीने चर्चा करणे.

सही /-सभा आयोजक

दिनांकः-०८.१२.२०२५
ठिकाणः-मुंबई

जयहिंद गांधीनगर सहकारी गृहनिर्माण संस्था (नियोजित)
(श्री. वजीर बशीर सय्यद)
मुख्यप्रवर्तक

महाराष्ट्र कैबिनेट ने सभी मौसमों के अनुकूल कृषि सड़कें बनाने की योजना को मंजूरी दी

मुंबई। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने पूरे राज्य में कृषि क्षेत्रों और गांवों के बीच संपर्क में सुधार लाने के उद्देश्य से सभी मौसमों के अनुकूल सड़कों के निर्माण के लिए एक नई योजना को मंजूरी प्रदान की है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, रविवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय लिया गया। 'मुख्यमंत्री बलिराजा शेत-पंडण रास्ता योजना' नामक इस योजना का उद्देश्य किसानों को कृषि उपज के लिए परिवहन सुविधाओं तक बेहतर पहुंच प्रदान करना है जिससे देरी में कमी आए और बाजार संपर्क आसान हो।

सरकार संविधान और लोकतंत्र में विश्वास नहीं करती : वडेट्टीवार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र नागपुर में सोमवार को विपक्ष के नेता के बगैर शुरू हुआ और जिसके लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को विपक्ष के सवालों का सामना भी करना पड़ा। शिवसेना (यूबीटी) नेता भास्कर जाधव ने कहा, सरकार को यह बताना चाहिए कि विधानमंडल का कौन सा नियम यह शर्त रखता है कि विपक्ष को नेता पद देने के लिए विपक्षी पार्टी के पास 10 प्रतिशत सदस्य होने चाहिए। जब आम आदमी पार्टी (आप) दिल्ली में सत्ता में थी, तो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 10 प्रतिशत सदस्य न होने के बावजूद विपक्ष के नेता का पद मिला था। भाजपा पद लेते समय शर्तों को याद नहीं रखती लेकिन पद देते समय उन्हें सभी नियम और शर्तें याद आ जाती हैं।

विधानसभा के तालिका अध्यक्ष

मुंबई/नागपुर। चैनसुख संचेती, किशोर अप्पा पाटील, सरोज मिहिरे, डॉ.राहुल पाटील, उत्तमराव, रामदास मसराम, समीर कुणावार को विधानसभा में तालिका अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने नामों की घोषणा की।

पवन सिंह को लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से मिली धमकी

मुंबई पुलिस में शिकायत दर्ज

मुंबई। भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह को लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से धमकी मिलने का मामला सामने आया है। इस धमकी के बाद पावर स्टार पवन सिंह ने मुंबई पुलिस में दो अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई हैं। जानकारी के अनुसार, पवन सिंह बिग बॉस 19 के फिनाले में होस्ट सलमान खान के साथ स्टेज साझा करने के कारण मुसीबत में फंसे। गैंग ने उनसे ऐसा न करने के लिए धमकी दी थी, लेकिन पवन सिंह ने धमकी की परवाह किए बिना कार्यक्रम में भाग लिया। बिहार और मुंबई में उनके संपर्कों को भी संदेश और ऑडियो मैसेज के जरिए धमकाया गया।

मुंबई पुलिस को दी शिकायत

पवन सिंह ने मुंबई पुलिस से शिकायत में कहा कि उनसे पैसे की मांग की गई और धमकी भी दी गई। पावर स्टार ने यह शिकायत मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉरशन सेल में दर्ज कराई है। इससे पहले भी, जब पवन सिंह कपिल शर्मा शो में सलमान खान के साथ स्क्रीन साझा कर रहे थे, तब लॉरेंस गैंग ने उन्हें ऐसा न करने की चेतावनी दी थी।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

विभाग-जल अभियंता विभाग

क्र. कार्य.अभि. (परि.) ज.मा.का./5498 दि.05/12/2025

ई-निविदा सुचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका निम्नलिखित सूचीबद्ध कार्यों के लिए इच्छुक बोलीदाताओं से ऑनलाइन ई-निविदाएँ आमंत्रित करता है। निविदाओं के वितरण और बिक्री की तिथि और समय, निविदाओं की बिक्री के लिए निर्धारित तिथि और समय से संबंधित विवरण बृहन्मुंबई नगर निगम की वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in और महाटेंडर वेबसाइट http://mahatenders.gov.in पर निविदा अवलोकन के अंतर्गत प्रकाशित/अपलोड कर दिए गए हैं।

निविदा क्रमांक 2025_एमसीजीएम_1255559_1

निविदा का विषय
सहायक अभियंता जल कार्य (संरक्षण) पश्चिमी उपनगर / उत्तरी डिवीजन के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत महावीर नगर सुरंग स्टेशन और लिबर्टी गार्डन सुरंग स्टेशन पर इलेक्ट्रिक एक्ट्यूएटर्स पैनल और एपीएफसी पैनल की आपूर्ति और स्थापना।
निविदा विक्रय तिथि :09/12/2025 निविदा बिक्री की अंतिम तिथिः 22/12/2025

इच्छुक बोलीदाताओं को विस्तृत जानकारी के लिए महाटेंडर वेबसाइट यानी http://mahatenders.gov.in और बृहन्मुंबई नगर निगम वेबसाइट यानी http://portal.mcgm.gov.in पर जाना चाहिए।

हस्ता/-
पीआरओ/ 2539 /विज्ञा./2025-26
कार्य. अभि. (परि.) ज. मा. का.

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

संपादकीय

गोवा नाइट क्लब त्रासदी

गोवा के एक नाइट क्लब में लगी भीषण आग में 25 लोगों की मौत की घटना केवल एक हादसा नहीं, बल्कि हमारे देश में सार्वजनिक सुरक्षा और निगरानी तंत्र की भयावह विफलता का एक और उदाहरण है। यह घटना सामने लाती है कि किस तरह मनोरंजन स्थलों, बार, रेस्टोरेंट और नाइट क्लबों में सुरक्षा मानकों को या तो नजरअंदाज कर दिया जाता है या फिर नियमों को धता बताकर अवैध रूप से संचालन किया जाता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि एक बार फिर से इस त्रासदी ने हमारी व्यवस्था की गैर-जिम्मेदारी को उजागर किया है। खबरों के अनुसार, जिस नाइट क्लब में आग लगी, वह न केवल निर्धारित सुरक्षा मानकों के विरुद्ध चलता रहा, बल्कि आग से बचाव के मानक उपकरण भी वहां मौजूद नहीं थे। आग बुझाने के सिलिंडर, आपातकालीन अलार्म, सुरक्षा संकेत, आपात द्वार—कुछ भी सही ढंग से मौजूद नहीं था। इससे भी अधिक भयावह बात यह रही कि नाइट क्लब के अंदर आने-जाने का रास्ता अत्यंत संकरा था। भीड़ ज्यादा होने और धुआं भर जाने की वजह से लोग जिस रास्ते से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे, वहां पहले ही भारी भीड़ फंसी हुई थी, जिसके कारण दम घुटने और जलने से दर्जनों लोगों की मौत हुई। घटना के बाद जांच की घोषणा, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई, अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने जैसी बातें जरूर कही गई हैं, लेकिन यह सिलसिला नया नहीं है। हर बड़े हादसे के बाद वही बयान, वही आश्वासन और कुछ समय बाद सब कुछ सामान्य। दिल्ली का उपहार सिनेमा हादसा हो, मुंबई के 'वन अपार्टमेंट' आगकांड हो, या फिर हाल के किसी अस्पताल में लगी आग—हर बार लोग मरते हैं, जांच होती है, रिपोर्ट आती है, जिम्मेदारों को चेतावनी मिलती है और फिर सब कुछ भुला दिया जाता है। गोवा की घटना भी इसी कड़वी परंपरा की पुनरावृत्ति है। असल सवाल यह है कि क्या नाइट क्लब को लाइसेंस देने वाले विभागों ने कभी वहां जाकर वास्तविक निरीक्षण किया? क्या नगर निकाय, अग्निशमन विभाग और पर्यटन विभाग ने सुरक्षा मानकों की जांच की? यदि नहीं की, तो यह स्पष्ट है कि क्लब अवैध रूप से ऐसे अधिकारियों की मिलीभगत या खुली लापरवाही से संचालित होता रहा। आवश्यक है कि केवल क्लब मालिकों पर कार्रवाई न हो, बल्कि उन अधिकारियों और कर्मचारियों पर भी सख्त दंडात्मक कार्रवाई हो, जिनकी अनदेखी और लापरवाही ने इतने लोगों की जान ली। यह भी कठोर सच्चाई है कि भारत में आपदा प्रबंधन, निर्माण नियम, सुरक्षा प्रोटोकॉल और भवन मानकों का पालन केवल कागजों पर होता है। वास्तविकता में लाइसेंस देने, निरीक्षण करने और अनुपालन सुनिश्चित करने की प्रक्रिया भ्रष्टाचार, उपेक्षा और उदासीनता के बीच दम तोड़ देती है। यही कारण है कि ऐसे हादसे होते हैं और हम केवल मुआवजे की घोषणा करके खुद को जिम्मेदारियों से मुक्त समझ लेते हैं। यह हमारे प्रशासनिक तंत्र की एक दुखद विफलता है कि मृत्यु के बाद मुआवजा दे देना ही कर्तव्य की समाप्ति समझा जाता है। भारत यदि स्वयं को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखता है, तो सबसे पहले उसे सार्वजनिक सुरक्षा और कानूनों के पालन को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। केवल आर्थिक विकास या बुनियादी परियोजनाएं ही विकास का पैमाना नहीं हो सकतीं। जिस देश में नागरिकों का जीवन बुनियादी सुरक्षा मानकों के अभाव में दांव पर हो, वहां विकास का दावा खोखला ही कहा जाएगा। गोवा की यह घटना एक चेतावनी है कि यदि अब भी नहीं चेते तो आगे भयावह कीमत चुकानी पड़ सकती है। इस tragedy को केवल एक दुर्घटना समझकर भूलना अपने भविष्य को खतरे में डालने जैसा होगा। सरकार, प्रशासन, स्थानीय निकाय और जनप्रतिनिधियों—सभी को गंभीरता से यह समझना होगा कि सुरक्षा केवल दस्तावेज़ों में नहीं, जीवन की रक्षा करने वाली वास्तविक प्राथमिकता होनी चाहिए। वरना ऐसी घटनाएं होती रहेंगी और हम हर बार वही सवाल पूछते रहेंगे—इस मौत का जिम्मेदार कौन?

विदेशी साधक हिमालय की ओर

आज की उपभोक्ता संस्कृति के चरम पर शायद ही कोई भारतीय ऐसा होगा जिसे सैर-सपाटे और भौतिक सुख के लिए विदेश जाने की इच्छा न हो। यह बात अलग है कि उसकी जेब या आर्थिक स्थिति इसकी अनुमति देती है या नहीं। लेकिन इसके विपरीत, पश्चिमी जीवन शैली में मशीनी दिनचर्या और भौतिक सुख-सुविधाओं के बावजूद कई विदेशी देश के नागरिक शांति, मानसिक सुकून और आध्यात्मिक ज्ञान के लिए भारत की ओर रुख कर रहे हैं। वहीं, लाखों भारतीय पश्चिमी भोग संस्कृति के आकर्षण में फंसकर केवल विदेशी पर्यटन और मौज-मस्ती में जुटे रहते हैं। यह विडंबना है कि जहां भारतीय विदेश में भौतिक सुख तलाश रहे हैं, वहीं विदेश के लोग भारत की आध्यात्मिक गहराइयों में उतरकर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की तलाश कर रहे हैं। उत्तराखंड की योग नगरी ऋषिकेश और अन्य हिमालयी स्थल विदेशी योगियों और साधकों के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र बन चुके हैं। यहां न केवल योग के विभिन्न आयामों का अभ्यास होता है, बल्कि सांस्कृतिक और प्राकृतिक वातावरण का अनुभव भी अद्भुत होता है। टिहरी गढ़वाल के सिंगथाली गांव में हाल ही में लगभग डेढ़ सौ विदेशी साधकों की उपस्थिति इस बात का जीवंत उदाहरण है। ब्रिटेन, अमेरिका, इटली, साइप्रस, सिंगापुर, ताइवान, हांगकांग, मलेशिया, यूएई, वियतनाम, मॉरीशस और त्रिनिदाद जैसे देशों से आए ये साधक केवल योगाभ्यास के लिए ही नहीं, बल्कि हिमालय की प्राकृतिक शक्तियों और भारतीय संस्कृति के अनुभव के लिए यहां आए थे। इन विदेशी साधकों में डॉक्टर, वैज्ञानिक, शिक्षाविद, हीलर, उद्यमी और विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट पहचान रखने वाले लोग शामिल थे। उनकी प्राथमिकता केवल शारीरिक योगाभ्यास तक सीमित नहीं थी, बल्कि वे हिमालयीय आध्यात्मिक ज्ञान, ध्यान, श्वास साधना और प्राकृतिक चिकित्सा के अनुभव के लिए जुटे थे। इन सभी का एक साझा लक्ष्य था—हिमालय में योग और ध्यान के माध्यम से मानसिक और शारीरिक संतुलन, आंतरिक ऊर्जा और आध्यात्मिक सशक्तिकरण प्राप्त करना। साधकों ने देवप्रयाग, ऋषिकेश और हरिद्वार के पवित्र स्थानों में गंगा तट पर जल साधना, सूर्य साधना और ध्यान की विभिन्न तकनीकों का अभ्यास किया। सूर्य को अर्घ्य देने का यह अनवरत क्रम कई घंटों तक चलता रहा, और विभिन्न देशों, धर्मों और संस्कृतियों के साधक मंत्र उच्चारित करते हुए अपने ध्यान में लीन रहते। अमेरिका, चीन, ताइवान, ईरान और साइप्रस जैसे देशों के लोग भी इस प्रक्रिया में पूरी श्रद्धा और अनुशासन के साथ शामिल रहे। स्थानीय लोग इस दृश्य को देखकर मंत्रमुग्ध रह गए। यह योग के वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य होने का प्रतीक ही था, जहां देश-विदेश के लोग भारत की धरती पर योग और ध्यान के प्रति समर्पित दिखाई देते हैं।

साधकों का दिन सुबह प्राचीन हिमालयी योग परंपराओं के आसन अभ्यास, प्राणायाम और ध्यान से शुरू होता था। इसके बाद मुख्य सत्र में योग ज्ञान, ध्यान तकनीकों और ऊर्जा प्रक्रियाओं की व्याख्या की जाती थी। शाम को गंगा के तट पर सांध्यकालीन आरती में भागीदारी के बाद साधक फिर अपने ध्यान और साधना में लीन हो जाते। इस दौरान जल तत्वध्यान, सूर्य साधना, पंचतत्व संयोजन और मेरुदंड जागरण जैसी गहन ध्यान तकनीकों का अभ्यास किया गया। श्वास साधना से शरीर की ऊर्जा चैनलों की सक्रियता होती है और मन की स्थिरता, जागरूकता तथा अंतर्ज्ञान विकसित होते हैं। साधकों ने आंतरिक चेतना और ऊर्जा के संतुलन के लिए हिमालय की मौन वादियों में ध्यान साधना की। इस दौरान उन्होंने योग के आध्यात्मिक पक्ष से भी अवगत होने का अवसर पाया। यह केवल शारीरिक अभ्यास नहीं था, बल्कि मानसिक शांति, आंतरिक ऊर्जा और आध्यात्मिक जागरूकता को विकसित करने का माध्यम था। हिमालय सिद्ध अक्षर के मार्गदर्शन में यह रिट्रीट सभी साधकों के लिए ज्ञान और ऊर्जा का स्रोत बन गया। विदेशी साधक देवप्रयाग के संगम स्थल पर विशेष ध्यान साधना और कर्म-शुद्धि अनुष्ठान में शामिल हुए। अलकनंदा, भागीरथी और सरस्वती के संगम पर जल साधना और पंचतत्व आह्वान ने साधकों को गहन आध्यात्मिक अनुभव दिया। गंगा के जल में डुबकी लेना, सूर्य को अर्घ्य देना और हिमालय की शक्तियों के साथ संवाद साधना उन्हें मानसिक शांति और आध्यात्मिक आनंद का अनुभव कराता है। इस प्रकार, यह योग रिट्रीट न केवल साधकों के व्यक्तिगत विकास का माध्यम बनता है, बल्कि भारतीय संस्कृति का वैश्विक प्रचार भी करता है। साधक अपने अनुभव और ज्ञान के माध्यम से अपने देशों में भारत के सांस्कृतिक दूत बनते हैं। यह प्रक्रिया योग और ध्यान के प्रति अंतरराष्ट्रीय समुदाय के विश्वास को बढ़ावा देती है। योग की वैश्विक स्वीकार्यता में संयुक्त राष्ट्र का समर्थन भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विदेशी साधक आधुनिक चिकित्सा की सीमाओं और साइड इफेक्ट को देखते हुए योग और प्राकृतिक चिकित्सा में रुचि ले रहे हैं। हिमालय की जड़ी-बूटियों, प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों और शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन की खोज में वे यहां आते हैं। योग साधना, प्राणायाम, ध्यान और हिमालयीय ज्ञान उनके लिए जीवन की अनमोल शिक्षा का स्रोत बनता है। साधकों का खानपान और जीवनशैली भी इस दौरान विशेष रूप से सात्विक रहती है। तामसिक भोजन, प्याज, लहसुन और कैफीन का परहेज करते हुए वे पूर्ण रूप से साधना और ध्यान के लिए समर्पित रहते हैं। हिमालयी परंपरा में शुद्ध जीवन, स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन को प्राथमिकता दी जाती है, जिससे साधकों का मानसिक तनाव कम होता है और उनकी अंतर्दृष्टि विकसित होती है। विदेशी साधक केवल योगाभ्यास और आध्यात्मिक साधना तक सीमित नहीं रहते। वे उत्तराखंड की लोकसंस्कृति, खानपान और रीति-रिवाजों से भी गहराई से जुड़ते हैं। परंपरागत व्यंजन जैसे मंडवे का डोसा, देसी मिठाई अरसा, आलू-मूली की थिचौंडी और स्थानीय मिठाइयां उन्हें विशेष रूप से आकर्षित करती हैं। यह अनुभव उन्हें भारतीय संस्कृति और जीवन शैली के प्रति आकर्षित करता है और उनके अपने देशों में इसे साझा करने के लिए प्रेरित करता है।

जीवन मंत्र

हवाएं सबसे बड़ी संदेश वाहक

जब आदि शंकराचार्य मंडन मिश्र का घर ढूंढ़ते हुए पहुंचे थे। नगर में एक कुंए पर पानी पीने के लिए रुके, वहां कुछ स्त्रियां पानी भर रही थीं, उनसे शंकराचार्य ने पूछा, आचार्य मंडन मिश्र का घर कहां मिलेगा?

अमेजन का वितरण करने वाला लड़का सामान देने आया था। ये लोग हवा के झोंकों की तरह आते हैं और सामान देकर गायब हो जाते हैं। इनका एक खास व्यक्तित्व होता है। उनसे हम एक खास तरह के आचरण की अपेक्षा रखते हैं। लड़के ने मेरा पार्सल थमाया और मुस्कराकर बोला, 'नेवर बॉर्न नेवर डाइड।' मैं इतनी चौंक गई कि मेरे हाथ से पार्सल गिर गया। मैंने पूछा, 'तुम कैसे जानते हो इन शब्दों को?' उसने कहा, 'यहीं आसपास रहता हूं, तो बातें कानों से गुजरती हैं।' चौंकने वाली बात इसलिए है, क्योंकि ओशो के बेडरूम में पलंग के नीचे उनकी अस्थियां रखी हुई हैं, उस पर ओशो के लिखवाए हुए ये शब्द हैं : 'ओशो नेवर बॉर्न नेवर डाइड, ओनली विजिटेड दिस प्लैनेट अर्थ बिटवीन 11 दिसंबर, 1931 ऐंड 19 जनवरी, 1990' यानी 'ओशो न कभी जन्मे, न कभी विदा हुए, केवल इस ग्रह (पृथ्वी) का 11 दिसंबर, 1931 से 19 जनवरी, 1990 के बीच दौरा किया।' यह बेडरूम ओशो मेडिटेशन रिजॉर्ट के अंतर कक्ष में है। वहां सिर्फ साधक ही जा सकते हैं और उसके लिए उन्हें प्रवेश पास खरीदना होता है। उसका उपयोग सिर्फ ध्यान के लिए होता है। और ये शब्द उन्हीं के लिए महत्वपूर्ण हैं, जो ओशो के मुरीद हैं। फिर इस अमेजन के वायुदूत की जुबान पर कैसे चढ़ गए? शायद ये शब्द इतने मशहूर हो गए हैं कि सुगंध की तरह आसपास की हवा में तैर रहे हैं।

इससे मुझे वह कहानी याद आई, जब आदि शंकराचार्य मंडन मिश्र का घर ढूंढ़ते हुए पहुंचे थे। नगर में एक कुंए पर पानी पीने के लिए रुके, वहां कुछ स्त्रियां पानी भर रही थीं, उनसे शंकराचार्य ने पूछा, आचार्य मंडन मिश्र का घर कहां मिलेगा? स्त्रियां बोलीं, सीधे चलते जाओ, जिस घर के आसपास तोते ज्ञान की बातें कहते हुए मिलेंगे, वही मंडन मिश्र का घर होगा। यह किसी और काल की बात है। आजकल जमाना प्रचार और विज्ञापन का है। लाखों करोड़ों खर्च करके कोई बात लोगों के गले उतारी जाती है, उसे बार-बार दोहराना पड़ता है, ताकि वे भूल न जाएं, लेकिन इसके बावजूद विज्ञापनदाता सफल नहीं हो पाते। इसके विपरीत कुछ खबरें, कुछ शब्द, कुछ कल्पनाएं दूर दिगंत तक पहुंच जाती हैं, मानो हवाएं उन्हें उड़ाकर ले जाती हैं। समुद्र कब विज्ञापन करता है कि ओ नदियो, मेरे पास आओ, मैं समुद्र हूं, तुम्हारा अंतिम पड़ाव। समुद्र का होना ही काफी है। उसकी शक्ति इतनी प्रबल है कि सारे जल स्रोत चुंबक की तरह खींचे चले आते हैं।

जीवन ऊर्जा

पीटर क्रोपॉटकिन : जन्म 9 दिसंबर 1842

जन्म

पीटर क्रोपॉटकिन का जन्म 9 दिसंबर 1842 को रूस में हुआ। वे एक प्रसिद्ध दार्शनिक, भूगोलवेत्ता और अराजकतावादी विचारक थे। उन्होंने समानता, स्वतंत्रता और सहकारिता के विचारों को बढ़ावा दिया। उनकी रचनाएँ सामाजिक बदलाव की प्रेरणा बनीं। उनका निधन 8 फरवरी 1921 को हुआ।

दया और करुणा ही मानवता का मूल आधार हैं

स्वतंत्रता केवल व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं है; यह पूरे समाज की भलाई के लिए है। सहकारिता के बिना मानवता का विकास असंभव है। शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण करना है। क्रांति का असली उद्देश्य समानता और न्याय लाना है। सबसे बड़ा साहस है अपने विचारों को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करना। एक समाज की सच्ची शक्ति उसकी एकजुटता में निहित होती है। हर व्यक्ति में बदलाव लाने की शक्ति होती है, बशर्ते वह इसे महसूस करे। दया और करुणा ही मानवता का मूल आधार हैं। वास्तविक स्वतंत्रता दूसरों की स्वतंत्रता का सम्मान करने में है। व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयास से ही समाज में सुधार संभव है। एकजुटता किसी भी चुनौती का सामना करने का सबसे बड़ा हथियार है। शिक्षा का उद्देश्य स्वतंत्र सोच को बढ़ावा देना होना चाहिए। समाज में न्याय और समानता ही स्थायी शांति ला सकते हैं।मेहनत और ईमानदारी से हासिल की गई चीजें ही वास्तविक संतोष देती हैं। मानवता की प्रगति का आधार पारस्परिक सहायता है। स्वतंत्रता तब तक अधूरी है जब तक हर व्यक्ति स्वतंत्र न हो। किसी भी संघर्ष में नैतिकता को बनाए रखना सबसे बड़ी जीत है। सच्चा नेता वही है जो दूसरों को प्रेरित करता है, उन्हें नियंत्रित नहीं करता। प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर ही जीवन को खुशहाल बनाया जा सकता है। सहकारिता के सिद्धांत को अपनाने से ही समाज में सच्चा विकास संभव है। बदलाव की शुरुआत हमेशा व्यक्ति से होती है। समानता का अर्थ है हर व्यक्ति को अपने अधिकारों का पूरा उपयोग करने का अवसर। क्रांति केवल परिवर्तन नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। खुशी पाने का सबसे अच्छा तरीका दूसरों की मदद करना है। केवल विचारों से बदलाव नहीं आता, उनके लिए प्रयास भी करना पड़ता है।

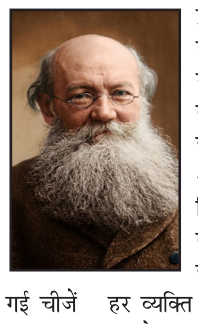

शख्सियत | राहत फ़तेह अली ख़ान

राहत की रूहानी आवाज़

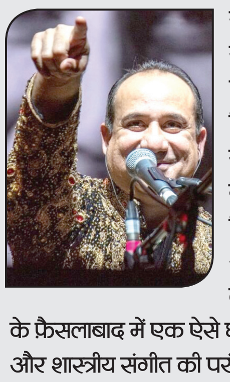

उस्ताद राहत फ़तेह अली ख़ान भारतीय उपमहाद्वीप की सूफ़ी संगीत परंपरा का ऐसा चमकदार नाम हैं, जिनकी आवाज़ पिछले तीन दशकों से दुनिया के हर बड़े स्टेज पर गूंज रही है। उनकी गहरी, मधुर और दर्द-भरी आवाज़ श्रोता के दिल में उतरकर उसे अध्यात्म, मोहब्बत और इंसानियत से जोड़ देती है। उनका जन्म 9 दिसंबर 1974 को पाकिस्तान के फ़ैसलाबाद में एक ऐसे घराने में हुआ, जिसने सदियों से कव्वाली और शास्त्रीय संगीत की परंपरा को संभाला है।

उनके दादा उस्ताद फ़तेह अली ख़ान, पिता फ़ारुख़ फ़तेह अली ख़ान और चाचा महान सूफ़ी गायक नुसरत फ़तेह अली ख़ान ने संगीत की जो धारा बहाई, उसे राहत ने नई ऊंचाइयों तक पहुँचा दिया। राहत बचपन से ही संगीत की गोद में पले। तीन साल की उम्र में ही उन्होंने सुरों की पहचान शुरू कर दी थी और सात साल की उम्र से नुसरत साहब ने उनकी तालीम को अपने हाथों में ले लिया। नुसरत साहब की मंडली में रहने से राहत ने न सिर्फ़ कव्वाली गायकी सीखी, बल्कि रियाज़, सुरों की साधना, और जनता के सामने प्रस्तुति देने का आत्मविश्वास भी हासिल किया। मात्र नौ वर्ष की उम्र में उन्होंने अपने दादा की पुण्यतिथि पर पहली सार्वजनिक प्रस्तुति दी और वहाँ मौजूद लोगों ने समझ लिया कि यह बच्चा भविष्य में एक महान कलाकार बनने वाला है। 2003 में फ़िल्म "पाप" का गीत 'मन की लगन' उनके बॉलीवुड करियर का पहला बड़ा अध्याय बना। इसके बाद राहत ने एक के बाद एक अनेक सुपरहिट गीत दिए—'जिया धड़क धड़क', 'ओ रे प्याजी', 'तेरी ओर', 'जिया जले', 'आओगे जब तुम', 'मेरे रश्के क़मर', जैसे अनगिनत गाने भारतीय दर्शकों के दिल में बस गए। उनकी आवाज़ में सूफ़ी रस, भावनाओं की गर्मी और आधुनिक संगीत की सहजता है, जो किसी भी गीत को अमर बना देती है।

राहत केवल बॉलीवुड या पाकिस्तान तक सीमित नहीं रहे। उन्होंने हॉलीवुड के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स में भी काम किया। 'डेड मैन वॉकिंग', 'द फोर फेदर्स' और मेल गिब्सन की 'एपोकैलिप्टो' जैसी अंतरराष्ट्रीय फिल्मों में उनकी आवाज़ शामिल हुई। उन्होंने अमेरिकी रॉक बैंड पर्ल जैम के एड्डी वेडर के साथ और मशहूर संगीतकार जेम्स हॉर्नर के साथ भी काम किया। यह दिखाता है कि राहत की आवाज़ किसी भी भाषा और शैली के संगीत में पूरी तरह घुल-मिल जाती है। कोक स्टूडियो पाकिस्तान में राहत की उपस्थिति ने उन्हें आधुनिक पीढ़ी से और गहराई से जोड़ दिया। आबिदा परवीन के साथ 'छाप तिलक', मोमिना मुस्तहसन के साथ 'आफ़रीन आफ़रीन', और अमजद साबरी के साथ 'आज रंग है' आज भी यू-ट्यूब पर करोड़ों बार सुने जा चुके हैं। इनमें से 'आफ़रीन आफ़रीन' और 'ज़रूरी था' तो कई देशों में सबसे अधिक देखे जाने वाले सूफ़ी गीत बन चुके हैं। 'ज़रूरी था' यूट्यूब पर अरब व्यूज़ हासिल करने वाला पहला भारतीय उपमहाद्वीपीय गैर-फ़िल्मी गीत बना। राहत का कद इस बात से भी समझा जा सकता है कि वर्ष 2014 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार समारोह में प्रस्तुति देने के लिए बुलाया गया। यह सम्मान किसी भी पाकिस्तानी कलाकार को पहली बार मिला था।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

सत्य बहुत ही सरल है

एक बुजुर्ग शिक्षिका भीषण गर्मियों के दिनों में बस में सवार हुई, पैरों के दर्द से बेहाल, लेकिन बस में सीट न देख कर जैसे – तैसे खड़ी हो गई। कुछ दूरी ही तय की थी बस ने कि एक उम्रदराज औरत ने बड़े सम्मानपूर्वक आवाज़ दी, आ जाइए मैडम, आप यहाँ बैठ जाएं" कहते हुए उसे अपनी सीट पर बैठा दिया। खुद वो गरीब सी औरत बस में खड़ी हो गई। मैडम ने दुआ दी, बहुत-बहुत धन्यवाद, मेरी बुरी हालत थी सच में। उस गरीब महिला के चेहरे पर एक सुकून भरी मुस्कान फैल गई। कुछ देर बाद शिक्षिका के पास वाली सीट खाली हो गई। लेकिन महिला ने एक और महिला को, जो एक छोटे बच्चे के साथ यात्रा कर रही थी और मुश्किल से बच्चे को ले जाने में सक्षम थी, को सीट पर बिठा दिया। अगले पड़ाव पर बच्चे के साथ महिला भी उतर गई, सीट खाली हो गई, लेकिन नेकदिल महिला ने बैठने का लालच नहीं किया, बस में चढ़े एक कमजोर बूढ़े आदमी को बैठा दिया जो अभी अभी बस में चढ़ा था। सीट फिर से खाली हो गई। बस में अब गिनी – चुनी सवारियां ही रह गईं थीं। अब उस अध्यापिका ने महिला को अपने पास बिठाया और पूछा,सीट कितनी बार खाली हुई है लेकिन आप लोगों को ही बैठाते रहे, खुद नहीं बैठे, क्या बात है? महिला ने कहा, मैडम, मैं एक मजदूर हूं, मेरे पास इतने पैसे नहीं हैं कि मैं कुछ दान कर सकूं।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

तो मैं क्या करती हूं कि कहीं रास्ते से पत्थर उठाकर एक तरफ कर देती हूं, कभी किसी जरूरतमंद को पानी पिला देती हूं, कभी बस में किसी के लिए सीट छोड़ देती हूं, फिर जब सामने वाला मुझे दुआएं देता है तो मुझे अपनी गरीबी भूल जाती है। दिन भर की थकान दूर हो जाती है । और तो और, जब मैं दोपहर में रोटी खाने के लिए बैठती हूं ना बाहर बेंच पर, तो ये पंछी चिड़ियां पास आ के बैठ जाते हैं, रोटी डाल देती हूं छोटे-छोटे टुकड़े करके। जब वे खुशी से चिल्लाते हैं, तो उन भगवान के जीवों को देखकर मेरा पेट भर जाता है। पैसा धेला न सही,

सोचती हूं दुआएं तो मिल ही जाती है ना मुफ्त में। फायदा ही है ना, और हमने लेकर भी क्या जाना है यहां से शिक्षिका अवाक रह गई, एक अनपढ़ सी दिखने वाली महिला इतना बड़ा पाठ जो पढ़ा गई थी उसे । अगर दुनिया के आधे लोग ऐसी सोच को अपना लें तो धरती स्वर्ग बन जाएगी। लेकिन सच तो यह है कि सत्य बहुत सरल है, एक साधारण इच्छा की तरह। कोई मेकअप नहीं, कोई तामझाम नहीं। लेकिन इसकी खूबसूरती यही है कि यह बेहद खूबसूरत होता है।

अपने विचार

अंग्रेजों ने बंगाल के टुकड़े करने की दिशा में काम किया। अंग्रेजों का मानना था कि एक बार बंगाल टूट गया, तो देश भी टूट जाएगा। 1905 में बंगाल का विभाजन किया। जब अंग्रेजों 1905 में ये पाप किया, तब वंदे मातरम् चट्टान की तरह खड़ा रहा।

-नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री, भारत

भाजपा के पास एक अच्छा मुद्दा है जिसे वे कभी भी उठा सकते हैं, जैसे धर्म की बात करना और लोगों को उकसाना। ममता बनर्जी एक बहुत लोकप्रिय और शक्तिशाली नेता हैं। भाजपा ने ममता बनर्जी को हराने के लिए कड़ी मेहनत की है।

-शत्रुघ्न सिन्हा
सांसद, TMC

नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता के शब्द गठबंधन के आंतरिक विश्वास की कमी को उजागर करते हैं। सार्वजनिक रूप से राहुल गांधी का बचाव करने के बावजूद, गठबंधन के साथी निजी तौर पर मानते हैं कि वह (राहुल) ब्लॉक की चुनावी विफलताओं के लिए जिम्मेदार हैं।

-प्रदीप भंडारी
बीजेपी प्रवक्ता

इंडिगो का संकट इस सरकार के 'एकाधिकार मॉडल' का नतीजा है। एक बार फिर इसकी कीमत आम भारतीयों को देरी, उड़ानें रद्द होने और लाचारी के रूप में चुकानी पड़ी है। भारत हर क्षेत्र में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का हकदार है।

-राहुल गांधी
नेता प्रतिपक्ष

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार).

ब्रीफ न्यूज़

शिव परिवार रिक्शा-टैक्सी चालक समिति की बैठक

ठाणे। शिव परिवार रिक्शा-टैक्सी चालक समिति की बैठक में पुलिस उपायुक्त (ट्रैफिक) पंकज शिरसाठ और पुलिस निरीक्षक सुभाष कोकणे उपस्थित रहे। अधिकारियों ने चालकों को सड़क सुरक्षा, ब्लाइंड स्पॉट्स से बचाव, गलत दंड की स्थिति में समाधान और आगामी लोक अदालत की प्रक्रिया जैसे विषयों पर मार्गदर्शन दिया। बैठक संस्थापक एडवोकेट विनय कुमार सिंह के नेतृत्व में अत्यंत शिस्तबद्ध वातावरण में हुई, जिसमें 120 से अधिक चालकों ने भाग लिया। एडवोकेट सिंह ने प्रशासन को आश्वासन दिया कि शिवदूत चालक यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करेंगे। इस अवसर पर सभी रिक्शा चालकों ने अनुशासन, सुरक्षा और कानून पालन के लिए ट्रैफिक शपथ भी ली। कार्यक्रम को सफल बनाने में कमलेश सिंह, अरविंद गिरी, दिलीप सिंह, दीपक गिरी, आशीष सिंह, मनोज सिंह, दीपक राणे और अशोक गिरी का विशेष योगदान रहा।

तीन दिन तक पानी की सप्लाई में कटौती

ठाणे। पिसे बंधारा से आने वाली 1000 मिमी डायमीटर की मुख्य पाइपलाइन शनिवार सुबह कल्याण फाटा पर महानगर गैस के काम के दौरान क्षतिग्रस्त हो गई, जिसके कारण पिछले दो दिनों से मरम्मत कार्य जारी है। प्रीस्ट्रेस्ड कंक्रीट टाइप की पुरानी पाइपलाइन होने से मरम्मत में तीन दिन और लगने की संभावना बताई गई है। फिलहाल शहर में केवल 30 प्रतिशत पानी की सप्लाई की जा रही है, जिससे नागरिकों को कम और अनियमित जलापूर्ति का सामना करना पड़ रहा है। वॉटर सप्लाई विभाग ने नागरिकों से पानी का उचित उपयोग करने और मनपा को सहयोग देने की अपील की है।

पुणे–सुपौल एक्सप्रेस के गाड़ी क्रमांक में परिवर्तन

पुणे। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन ने पुणे से सुपौल के बीच चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन के गाड़ी क्रमांकों में तत्काल प्रभाव से परिवर्तन किया है। नई व्यवस्था के तहत पूर्व गाड़ी क्रमांक 12149 (पुणे–सुपौल एक्सप्रेस) को अब 11401 और पूर्व गाड़ी क्रमांक 12150 (सुपौल–पुणे एक्सप्रेस) को 11402 कर दिया गया है। यह बदलाव केवल गाड़ी क्रमांक तक सीमित है, जबकि ट्रेन के मार्ग, समय और कोच संरचना में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। यात्रियों को टिकट बुकिंग और स्टेशन सूचना में नए क्रमांक देखने व उपयोग करने का आग्रह किया गया है।

राममराठे महोत्सव का दर्शकों की तालियों के साथ समापन

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

नृत्य की भावनात्मक लहरें, नृत्य की रिदम वाली घंटियां, गाने की सुरीली धुनें, हारमोनियम की सुरीली धुनें, परकशन इंस्ट्रूमेंट्स की अनोखी झंकार.. और म्यूजिकल प्ले जय जय गौरीशंकर से झूमते दर्शक.. वन्समोर की तालियां... ऐसे म्यूजिकल माहौल में ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा ऑर्गनाइज़ पंडित राम मराठे फेस्टिवल का आखिरी दिन दर्शकों के लिए एक अनोखा तोहफा बन गया।

तीन दिवसीय समारोह में कलाकारों की खास मौजूदगी

ठाणे महानगर पालिका द्वारा 30वां संगीत भूषण पंडित राम मराठे महोत्सव 5 से 7 दिसंबर 2025 तक राम गणेश गडकरी रंगायतन में आयोजित किया गया था। इस मौके पर ठाणे मनपा के एडिशनल कमिश्नर 2 प्रशांत रोडे, डिप्टी कमिश्नर उमेश बिरारी, पी. डिप्टी इन्फॉर्मेशन पब्लिक रिलेशन्स ऑफिसर प्राची डिंगांकर, पं. मुकुंद मराठे, पं. विवेक सोनार, सीनियर डांसर डॉ. मंजरी देव, तबला प्लेयर रवि नवले और ठाणे मुम्बई के सैकड़ों प्रशंसक मौजूद थे।

'जय जय गौरीशंकर' ने जीता दर्शकों का दिल

तीसरे दिन दोपहर के सेशन में पेश किया गया प्रभात सहायक मंडल (वाघम्बे) मुंबई का बनाया म्यूजिकल प्ले जय जय गौरीशंकर, ठाणे के फैंस से भरा हुआ था। सप्तसुर झंकारित बोले नंदी .. प्रिय कारा, सावज मजे गावसल, ती सुंदरा, सुरगंगा मंगला, भरे मानत सुंदरा, नारायण रामरमण, काशी नाचे छमाछम, जय जय रामरमण श्रीरंग को युवा कलाकारों ने अद्भुत तरीके से प्रदर्शित किया। कैलाश पर्वत के दृश्य, पृष्ठभूमि, प्रकाश व्यवस्था, वेशभूषा, परिधान और सभी के बेहतरीन शारीरिक भाषा और संवादों के स्पष्ट उच्चारण ने नाटक को दर्शकों के बीच लोकप्रिय बना दिया। सैकड़ों वर्षों से इस नाटक में विजय की भूमिका निभाने वाली प्राजक्ता मराठे ने पंडित राम मराठे की गायन परंपरा को दिखाते हुए प्रसिद्ध नाटक 'प्रियकारा नसे है छंद बारा ..' को वंशमोर के साथ प्रस्तुत किया। इस मूल नाटक का मंचन ठाणे के वरिष्ठ नाटककार नटवर्य मामा पेंडसे ने किया। मुकुंद मराठे ने बताया कि ललित कलादर्श नाट्य संस्था के लिए भालचंद्र पेंढारकर का बनाया यह नाटक पंडित राम मराठे, भगवान शंकर, प्रसाद सावकर वगैरह ने पूरे भारत में 2250 बार दिखाया है।

शास्त्रीय गायकी और हारमोनियम की माधुर्यता

सुबह के सत्र की दूसरी पुष्प गायिका सावनी पारेकर थीं। गणाहिरा पुरस्कार से सम्मानित और युवा गायिका के रूप में प्रसिद्ध सावनी पारेकर ने अपनी शास्त्रीय गायकी से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने राग विभास मारवा थाटा में तीन रचनाएं प्रस्तुत कीं। बड़ाख्याल ने संगीतकार पं. अनंत जोशी की 'अलबेलो मेरे राजकुमार' बंदिश भी प्रस्तुत की। इस बंदिश के बाद पारंपरिक बंदिश और एक ताल का द्रुत तराना प्रस्तुत किया गया। उन्होंने दूसरे पुष्प का समापन मिश्र खमाज और दादरा राग से किया। उनके साथ तबले पर आदित्य पनवलकर और हारमोनियम पर अमेय गांधी ने संगत की।

सोलो कथक और संवेदनशील प्रस्तुति

आखिरी दिन सुबह के पहले सेशन में, कथक डांस के साथ वैशाली वैशम्पायन पोतदार का सोलो कथक डांस भी हुआ। उन्होंने गणेश वंदना, ताल प्रसुति और ठुमरी का ट्रेडिशनल कथक डांस सीक्वेंस पेश किया। उन्होंने पंडित गुरु रोहिणी भाटे की कंपोज़ की हुई गणेश वंदना से शुरुआत की। उसके बाद, उन्होंने उठान, थाट, आमद, लयित में तीन ताल की प्रसुति पेश की, और बढ़ती रिदम के साथ तदफदार बंदिशियों की एक सीरीज़ से ऑडियंस को खुश किया। इस बढ़ती लय को विराम देते हुए उन्होंने संत सोयरा बाई की एक बहुत ही संवेदनशील और रचनात्मक विषय पर एक कविता, 'देहासि विठ्ठल धानी सकल आत्मा तो निर्मल शुद्ध बुद्ध', जो महिलाओं के दर्द पर विठ्ठल से सवाल करती है, एक विचारोत्तेजक और उपयुक्त प्रस्तुति के साथ प्रस्तुत की। उनके साथ तबला के साथ प्रसाद पाध्ये, हारमोनियम के साथ राजस खासगीवाले, स्वर संगत अर्चना गोरे और उनकी शिष्या जुई पाठक ने इसे खूबसूरती से सुनाकर कार्यक्रम का रंग बढ़ा दिया।

शाम में ताल से तान की अनोखी यात्रा

प्रसिद्ध संगीतकार और हारमोनियम वादक अनंत जोशी ने पंडित राम मराठे महोत्सव के सुबह के सत्र का तीसरा पुष्प प्रस्तुत किया। हारमोनियम पर अपनी छुअन से उन्होंने हर ताल, राग और भाव को श्रोताओं तक पहुंचाया और उनकी सराहना पाई। उनके साथ तबले पर समीर गणु अभ्यंकर और अभय दातार ने संगत की। शाम के सत्र का पांचवां पुष्प पद्मश्री पंडित सुरेश तलवलकर ने प्रस्तुत किया। उन्होंने कार्यक्रम की शुरुआत तीन ताल से की। तबला, पश्चिमी ढोल, कथक नृत्य, हिंदुस्तानी गायन, संगीत, सितार और बांसुरी के इस अभिनव संयोजन से दर्शकों को अनुभव हुआ। उन्होंने कहा कि इन तीनों वाद्यों, गायन और नृत्य के समन्वय से संगीत दर्शकों तक पहुंचता है और यही ताल यात्रा की विशेषता है। इस अवसर पर उन्होंने पंडित राम मराठे की यादों को ताजा किया। रामभाऊ मराठे। उनके साथ तबले पर सावनी तलवलकर, हारमोनियम पर अभिषेक शिंकर, गाने के लिए नागेश अडगांवकर, पखावज पर रोहित खवले, कहोज पर ईशान परांजपे और कलाबाश पर ऋतुराज हिंगे ने साथ दिया। छठा पुष्प तानसेन अवॉर्ड पाने वाले पंडित राजा काले ने अपनी गायकी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर फेस्टिवल का समापन किया। उनके साथ हारमोनियम पर सिद्धेश बिचोलकर, पंडित शरद मतकर, पंडित तुलशीदास बोरकर और तबले पर मंदार पुराणिक ने साथ दिया।

फेरीवालों को अस्थायी प्रमाण-पत्र वितरण शुरू

शहरी स्वच्छता पर ध्यान देने और केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने की अपील

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका ने फेरीवालों के लिए जारी सर्वेक्षण के तहत अस्थायी प्रमाण-पत्र बांटने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इससे फेरीवालों को अपने व्यवसाय स्थल पर बिना बाधा काम करने में मदद मिलेगी और रोजगार सुरक्षित रहेगा। यह पहल आयुक्त एवं प्रशासक अनमोल सागर के निर्देश पर हुई है। अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाणे ने कहा कि यह प्रमाण-पत्र फेरीवालों के आत्मसम्मान और व्यवसाय सुरक्षा से सीधे तौर पर जुड़ा है, इसलिए सभी फेरीवाले पंजीकरण पूरा कर प्रमाण-पत्र प्राप्त करें।

योजनाओं का लाभ और प्रतिनिधि चयन भी

दिनदयाल जन आजीविका योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में सहायक आयुक्त शैलेश डोणदे सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि फेरीवाला सर्वेक्षण के बाद मतदाता सूची तैयार की जाएगी और प्रतिनिधियों का चयन भी होगा। इसके अलावा PM स्व-निधि योजना के तहत बैंकों से कर्ज सुविधा उपलब्ध कराने की तैयारी है। महानगरपालिका ने फेरीवालों से अपील की है कि वे सरकारी योजनाओं का लाभ लें और व्यवसाय के दौरान स्वच्छता व प्रशासनिक नियमों का पालन करें।

रीजनल साइकेट्रिक हॉस्पिटल परिसर में पर्यावरण पर कुल्हाड़ी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

सैकड़ों पुराने पेड़ों की कटाई का खतरा, पर्यावरणविद ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को निवेदन भेजा

शहर के रीजनल साइकेट्रिक हॉस्पिटल परिसर में सैकड़ों पुराने पेड़ों की कटाई का खतरा फिर बढ़ गया है। इस पर पर्यावरणविद डॉ. प्रशांत सिनकर ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को तत्काल निवेदन भेजा है। उन्होंने कहा कि यह इलाका शहर के बचे हुए अहम ग्रीन बेल्ट में शामिल है और पेड़ों की कटाई से ठाणे का पर्यावरण गंभीर रूप से प्रभावित होगा।

नागरिकों की बढ़ती चिंता

बैंगलोर स्थित NIMHANS की तर्ज पर नया मॉडर्न साइकेट्रिक हॉस्पिटल बनाने की योजना को नागरिकों ने स्वागत योग्य बताया है, लेकिन इसके लिए पेड़ों की बलि दिए जाने से बड़ी चिंता है। नागरिकों का आरोप है कि कागज़ पर कम और असल में अधिक पेड़ काटने के मामले पहले भी सामने आए हैं, इसलिए अब भरोसे की स्थिति कमजोर हो चुकी है।

डॉ. सिनकर की चार प्रमुख मांगें

डॉ. सिनकर ने मांग की है कि पेड़ काटने के प्रस्ताव पर स्वतंत्र और विशेषज्ञ कमिटी द्वारा दोबारा विचार किया जाए। जिन पेड़ों को स्थानांतरित किया जा सकता है, उन्हें वैज्ञानिक तरीके से तुरंत बचाया जाए। नए निर्माण प्लान में बदलाव कर पेड़ों को अधिकतम संरक्षण दिया जाए और पूरी प्रक्रिया नागरिकों के लिए पारदर्शी की जाए। उन्होंने कहा कि ये पेड़ सिर्फ हरियाली नहीं, बल्कि ठाणे का तापमान, हवा और बायोडायवर्सिटी नियंत्रित करते हैं। "डेवलपमेंट ज़रूरी है, लेकिन पर्यावरण की कीमत पर नहीं," कहते हुए उन्होंने शहरवासियों से जागरूक रहने की अपील की। शहर की नज़र अब मुख्यमंत्री के फैसले और सैकड़ों पेड़ों के भविष्य पर टिकी है।

प्रभाग- 1 की ड्राफ्ट मतदाता सूची में घालमेल

सुनसान जगहों पर भी सैकड़ों नाम, मनसे ने की कार्रवाई की मांग

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर महानगरपालिका के प्रभाग क्रमांक-1 में तैयार की गई मसौदा मतदाता सूची में गंभीर खामियां सामने आई हैं। कई मतदाताओं के नाम जंगलों, निर्जन स्थलों, आईडीआई और अंबरदाई कॉलोनी जैसे इलाकों में दर्ज पाए गए हैं, जबकि इन क्षेत्रों में कोई घर मौजूद ही नहीं है। इससे मतदाता सूची की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

प्रवासी, मृत और गलत वार्ड में दर्ज नाम

मसौदा सूची के निरीक्षण में दोहरे नाम, मृत या प्रवासी मतदाताओं के नाम शामिल होने सहित बड़ी त्रुटियां सामने आई हैं। साथ ही कई नागरिकों के नाम उनके मूल प्रभाग के बजाय दूसरे वार्डों में दर्ज कर दिए गए हैं। मनसे ने आरोप लगाया कि इन गड़बड़ियों के कारण मतदान प्रतिशत हमेशा कम दर्ज होता है और इसके लिए चुनाव विभाग की लापरवाही जिम्मेदार है।

मनसे ने की आपत्ति

मनसे ने निर्धारित समय सीमा के भीतर चुनाव विभाग को आपत्ति पत्र सौंपा है। पार्टी ने मांग की कि प्रभाग क्रमांक-1 में गलत या स्थानांतरित नामों को हटाकर वास्तविक मतदाताओं का पंजीकरण किया जाए। साथ ही, अन्य वार्डों में गलती से शामिल किए गए मतदाताओं के नामों को सही कर उनके संबंधित वार्डों में जोड़ा जाए। मनसे महानगर संगठक मैनुद्दीन शेख ने चेतावनी दी है कि आपत्तियों के बाद भी यदि अंतिम मतदाता सूची अव्यवस्थित रही तो मनसे उल्हासनगर महानगरपालिका के आम चुनाव का बहिष्कार करेगी। साथ ही चुनाव विभाग और महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने की भी घोषणा की गई है।

आरपीआई ने की 15 सीटों की मांग

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

केंद्रीय राज्य मंत्री और आरपीआई अध्यक्ष रामदास अठावले ने आगामी उल्हासनगर मनपा चुनाव में शिवसेना, भाजपा, राकांपा और आरपीआई को मिलकर महागठबंधन बनाने का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि हालिया स्थानीय चुनावों में इन दलों ने निर्दलीय उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन इस बार सभी दलों को एक साथ लड़ना चाहिए। पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक में उन्होंने कहा कि आरपीआई को 15 सीटें मिलनी चाहिए और महायुति मिलकर चुनाव लड़ेगी तो महापौर भी महायुति का ही होगा। बैठक में अठावले ने कहा कि उल्हासनगर कभी दलित आंदोलन का प्रमुख केंद्र रहा है। अब आरपीआई सभी समुदायों को साथ लेकर आगे बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि शहर में सिंधी, मुस्लिम, उत्तर भारतीय, दक्षिण भारतीय समेत कई समुदाय रहते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि विधानसभा चुनाव में सिंधी समाज से पप्पू कलानी को टिकट देकर विधायक बनाया गया था। कार्यक्रम में कई महायुति और आरपीआई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संविधान और अन्य मुद्दों पर टिप्पणी

अठावले ने कांग्रेस पर "संविधान खतरे में है" कहने को दुष्प्रचार बताया और कहा कि डॉ. आंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान मजबूत है। साथ ही कोंकण के प्रसिद्ध हापुस आम के नाम पर चल रहे विवाद पर कहा कि असली हापुस आम कोंकण का ही है। दलितों पर अत्याचार की घटनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने आश्वासन दिया कि आरपीआई ऐसे मामलों में हमेशा संघर्ष करती रहेगी।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। साझेदारी में नवीन प्रस्ताव प्राप्त हो सकेंगे। शत्रु सक्रिय रहेंगे। गर्व-अहंकार को दूर करें। राजनीतिक व्यक्तियों से लाभकारी योग बनेंगे।

वृष बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। जोखिम न लें। अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखें। पत्नी के बतलाए रास्ते पर चलने से लाभ की संभावना बनती है। यात्रा से लाभ। वाहन-मशीनरी खरीदी के योग हैं।

मिथुन फालतू खर्च होगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यावसायिक योजनाओं का क्रियान्वयन नहीं हो पाएगा। परिवार की चिंता रहेगी। आय से व्यय अधिक होंगे। अजनबियों पर विश्वास से हानि हो सकती है।

कर्क धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बचें। कार्य-व्यवसाय में लाभ होने की संभावना है। दांपत्य जीवन में अनुकूलता रहेगी। सामाजिक समारोहों में भाग लेंगे।

सिंह प्रतिष्ठा बढ़ेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। यात्रा का शुभ योग होने के साथ ही कठिन कार्य में भी सफलता मिल सकेगी। रिश्तेदारों से संपत्ति संबंधी विवाद हो सकता है। व्यापार-नौकरी में लाभ होगा। पुराना रोग उभर सकता है। प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। मन में उत्साह रहेगा, जिससे कार्य की गति बढ़ेगी। आपके कार्यों को समाज में प्रशंसा मिलेगी। भागीदारी में आपके द्वारा लिए गए निर्णयों से लाभ होगा।

तुला प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य संबंधी समस्या हल हो सकेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। अपनी वस्तुएँ संभालकर रखें। रुका धन मिलेगा। भ्रम की स्थिति बन सकती है।

वृश्चिक जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। मितव्ययिता को ध्यान में रखें। कुटुंबियों से संबंध सुधरेंगे। शत्रुओं से सावधान रहें। व्यापार लाभप्रद रहेगा। खर्चों में कमी करें।

धनु स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। अच्छे लोगों से भेंट होगी जो आपके हितचिंतक रहेंगे। योजनाएं फलीभूत होंगी। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आलस्य से बचकर रहें।

मकर रोजगार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। अर्थ संबंधी कार्यों में सफलता से हर्ष होगा। सुखद भविष्य का स्वप्न साकार होगा। विचारों से सकारात्मकता बढ़ेगी। दुस्साहस न करें।

कुंभ नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। नेत्र पीड़ा हो सकती है। अधिकारी वर्ग विशेष सहयोग नहीं करेंगे। ऋण लेना पड़ सकता है। यात्रा आज नहीं करें। परिवार के कार्यों को प्राथमिकता दें।

मीन किसी के भरोसे न रहकर अपना कार्य स्वयं करें। महत्वपूर्ण कार्यों में हस्तक्षेप से नुकसान की आशंका है। परिवार में तनाव रहेगा। व्यापार-व्यवसाय मध्यम रहेगा। कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का माहौल बन सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें।

कुंडली से नौकरी प्राप्ति का समय जानने का परंपरागत ज्योतिषीय विवेचन

कहा जाता है कि मनुष्य की नौकरी, काम और आजीविका का निर्णय केवल उसकी मेहनत ही नहीं बल्कि जन्म के क्षण में उसके ऊपर पड़ने वाली ग्रहों की छाया से भी तय होता है। ज्योतिष इस बात को स्पष्ट मानता है कि जीवन के प्रत्येक पड़ाव—शिक्षा, नौकरी, विवाह, संतान और वृद्धावस्था—सबके पीछे किसी न किसी ग्रह का प्रभाव सक्रिय होता है। जन्मकुंडली में नौकरी प्राप्ति का समय जानने के लिए सर्वप्रथम लग्नेश की दशा पर ध्यान दिया जाता है, क्योंकि वही ग्रह जीवन की दिशा निर्धारित करता है और जब उसकी दशा अथवा अंतरदशा सक्रिय होती है तब मनुष्य को जीवन के रास्ते खुलने लगते हैं। परंतु केवल लग्नेश ही नौकरी का कारक नहीं, भाग्यभाव का स्वामी अर्थात नवमेश भी अपनी दशा में व्यक्ति को ऐसे अवसर प्रदान करता है जिनके माध्यम से उसे उचित दिशा और सही समय मिलता है। कई बार ऐसा भी देखा गया है कि व्यक्ति जीवन में नौकरी की

प्रियंका जैन
9769994439

तलाश में भटकता रहता है पर जैसे ही नवमेश की दशा सक्रिय होती है, भाग्य उसका साथ देना प्रारंभ कर देता है।

इसके बाद दृष्टि डालनी होती है छठे भाव पर, जिसे नौकरी, सेवा और रोज़गार का मूलभाव कहा गया है। छठा भाव वास्तव में संघर्ष का स्थान है और इसका संबंध जब किसी अनुकूल ग्रह से हो जाता है तब नौकरी के योग शीघ्र बन जाते हैं। इस भाव का स्वामी शनि माना गया है और इसलिए शनि की दशा अथवा अंतरदशा नौकरी प्राप्ति में अत्यंत प्रभावशाली सिद्ध होती है। इसके अतिरिक्त दसवाँ भाव करियर और कर्म का केंद्र है, यही वजह है कि दशमेश की दशा में नौकरी प्राप्त होना आम बात है। यदि दशमेश का संबंध छठे भाव से बन जाए तो जातक नौकरी के मार्ग पर चल पड़ता है और यही कारण है कि कुंडली देखने वाला ज्योतिषी सबसे पहले इन दोनों भावों का संबंध तलाशता है।

अब बात आती है दूसरे भाव और ग्यारहवें भाव की, जिन्हें धन और लाभ का स्थान माना जाता है। कहा जाता है कि नौकरी सिर्फ काम करने का माध्यम नहीं बल्कि आजीविका अर्जित करने का साधन है। इसलिए दूसरे और ग्यारहवें भाव के स्वामी की दशा में भी नौकरी प्राप्ति के अवसर उत्पन्न होते हैं, क्योंकि यही दोनों भाव जीवन में धन और आय को सक्रिय करते हैं। कई बार नौकरी की शुरुआत इन भावों की सक्रियता से भी हो जाती है, क्योंकि आय की शुरुआत का मूल संकेत इन्हीं से प्राप्त होता है। ज्योतिष में राहु और केतु रहस्यमयी ग्रह माने गए हैं। उनकी दशा में जीवन की महत्वपूर्ण घटनाएँ घटित होती हैं। यही कारण है कि नौकरी मिलना भी इनके समय में संभव है, चाहे इनका स्वभाव कितना ही उलझा हुआ क्यों न माना जाता हो। राहु और केतु की दशा-अंतरदशा अक्सर जीवन के कुछ विशेष परिणाम लेकर आती हैं, जिसमें नौकरी, बदलाव, स्थान परिवर्तन आदि प्रमुख घटनाएँ हो सकती हैं।

दशाओं के अतिरिक्त ग्रहों का गोचर भी नौकरी मिलने के समय का बड़ा संकेत देता है। गुरु का स्थान परिवर्तन और उसका दशम भाव तथा दशमेश से संबंध नौकरी के अवसर बढ़ा देता है। शनि और गुरु का परस्पर केंद्र या त्रिकोण में होना भी नौकरी मिलने की संभावना को जन्म देता है, क्योंकि ये दोनों ग्रह कर्म और भाग्य का संतुलन बनाए रखते हैं। अक्सर देखा गया है कि जब शनि या गुरु, या दोनों दशम भाव या दशमेश से संबंध बनाते हैं तब जातक को नौकरी मिलने की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं।

न्यूज ब्रीफ

सुलतानपुर में राहुल गांधी मानहानि मामले की सुनवाई

सुलतानपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर दर्ज मानहानि प्रकरण की सुनवाई सोमवार को सुलतानपुर जिले की एमपी-एमएलए कोर्ट में हुई। अदालत में परिवादी पक्ष के गवाह रामचंद्र दूबे की मुख्य गवाही दर्ज की गई। राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने गवाह से जिरह की। इसके बाद बचाव पक्ष के वकील ने भी गवाह से पूछताछ शुरू की, लेकिन जिरह पूरी नहीं हो सकी। अदालत ने शेष जिरह की अगली तारीख 9 दिसंबर तय की है।

यह मुकदमा भाजपा नेता विजय मिश्रा द्वारा 2018 में दायर किया गया था। मिश्रा ने आरोप लगाया कि 2018 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष और वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। मुकदमे की अदालती प्रक्रिया अब पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। दिसंबर 2023 में राहुल गांधी की अनुपस्थिति पर अदालत ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया था। फरवरी 2024 में राहुल गांधी ने आत्मसमर्पण किया और दो मुचलकों पर जमानत प्राप्त की। जुलाई 2024 में उन्होंने अपना बयान दर्ज कराते हुए खुद को निर्दोष बताया और इसे राजनीतिक साजिश करार दिया। कोर्ट ने उनके बयान के बाद वादी को साक्ष्य पेश करने का निर्देश दिया। अब तक केवल एक गवाह से पूरी जिरह हो पाई है, जबकि दूसरे गवाह की जिरह अधूरी है और कल इसे पूरा किया जाएगा।

देश के गौरव थे पहले सीडीएस बिपिन रावत : मुख्यमंत्री

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत की चौथी पुण्यतिथि पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि उत्तराखंड और पूरे देश का गौरव थे। मुख्यमंत्री ने कनक चौक स्थित पार्क में जनरल रावत की प्रतिमा पर पुष्पचक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जनरल रावत के अदम्य साहस, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रभक्ति को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल है, जो आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करेगा। मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, सैनिकों और नागरिकों के साथ दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शहीदों के सम्मान में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, विधायक खजान दास और सविता कपूर भी मौजूद रहे।

मतदाता सूची में घुसपैठियों की कोई जगह नहीं : आदित्यनाथ

- मुरादाबाद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सख्त संदेश
- कहा- बांग्लादेशी घुसपैठियों को नहीं बनने देंगे मतदाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मुरादाबाद के सर्किट हाउस में मतदाता विशेष पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) की समीक्षा बैठक के दौरान सख्त कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को किसी कीमत पर वोटर नहीं बनने दिया जाएगा। उन्होंने बैठक में शामिल जिला प्रभारी, पार्टी पदाधिकारी और जनप्रतिनिधियों को फर्जी और मृत मतदाताओं के नाम हटाने और सही मतदाताओं को सूची में जोड़ने के लिए घर-घर जनसंपर्क करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर अभियान को पूर्णता के साथ लागू करना जरूरी है। पार्टी के बीएलओ-1 और बीएलओ-2 का सहयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता लापरवाही न बरतें और मतदाता सूची में सभी फर्जी नाम हटवाने तथा सही मतदाताओं को जोड़ने में सक्रिय रहें।

अगले साल होने हैं पंचायत चुनाव

योगी आदित्यनाथ ने बैठक में यह भी निर्देश दिया कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी जनसंवाद के माध्यम से आम जनता तक पहुँचाई जाए। उन्होंने कहा कि अगले साल पंचायत चुनाव और उसके बाद विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए पार्टी की तैयारी को मजबूत बनाए रखना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि एसआईआर अभियान केवल मतदाता सूची का अद्यतन नहीं, बल्कि विकास और जनसम्पर्क को भी मजबूती देने का अवसर है।

थाने के मालखाने से लायसेंसी रिवाल्वर गायब

प्रयागराज। उप्र के प्रयागराज जिले में स्थित नैनी कोतवाली के मालखाने से एक लायसेंसी रिवाल्वर गायब होने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने रविवार की रात बर्खास्त हेड मोहर्रिर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। यह जानकारी सोमवार को पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव ने दी। उन्होंने बताया कि नैनी कोतवाली में प्रभारी निरीक्षक नैनी ब्रज किशोर गौतम की तहरीर पर मालखाना की देखभाल करने वाले बर्खास्त हेड मोहर्रिर राजेन्द्र प्रसाद पुत्र भगौती प्रसाद के खिलाफ आईपीसी की धारा 409 के तहत दर्ज किया गया है। राजेन्द्र प्रसाद कौशाम्बी जिले के पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के बाकरगंज गांव के निवासी हैं। डीसीपी यमुनानगर ने बताया कि थाने के मालखाने से एक लायसेंसी रिवाल्वर गायब होने के मामले में टीम गठित कर जांच शुरू कर दी गई है। साक्ष्य और प्रमाण एवं दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं। मामला अति गंभीर है, दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

काशी विश्वनाथ: 'सुगम दर्शन' के नाम पर वसूली का खेल उजागर

- दशाश्वमेघ थाना पुलिस ने बांसफाटक से सात दलालों को दबोचा

वाराणसी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं से सुगम दर्शन दिलाने के नाम पर अवैध वसूली करने वाले सात दलालों को दशाश्वमेध थाना पुलिस ने सोमवार को बांसफाटक क्षेत्र से गिरफ्तार किया। मंदिर में बढ़ती भीड़ के बीच लंबे समय से चली आ रही इस शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सभी आरोपितों को दबोच लिया। दशाश्वमेध एसीपी अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में टेढ़ीनीम निवासी गणेश जायसवाल, सिंधोरा के हीरावनपुर निवासी अमन कुमार, मडुवाडीह के कैलाशनाथ पांडेय, बड़ी पियरी चौक के रितेश पांडेय, गोदौलिया के वहीद अहमद, भेलूपुर के रामबली बिंद और जैतपुरा के रवि पांडेय शामिल हैं।

जल्दी दर्शन का झांसा दे करते थे वसूली

पुलिस के अनुसार ये लोग मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं से जल्दी दर्शन कराने का झांसा देकर मनमानी रकम वसूलते थे और विरोध पर धौंस जमाते थे। सीसीटीवी फुटेज और लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाकर इन्हें गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपितों ने स्वीकार किया कि वे लंबे समय से यह काम कर रहे थे। एसीपी ने बताया कि इससे पहले भी सुगम दर्शन के नाम पर अवैध दलाली करने के आरोप में 33 लोगों को पकड़ा जा चुका है।

इलाज के दौरान बंदी फरार चार पुलिसकर्मी निलंबित

- फरार कैदी के साथ सुरक्षा में रहे सिपाहियों पर भी मुकदमा

एजेंसी । बांदा

रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज, बांदा में इलाज के लिए लाए गए एक बंदी के फरार होने से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। उन्नाव निवासी शातिर टप्पेबाज अतुल सिंह रविवार शाम पुलिस सुरक्षा को चकमा देकर अस्पताल से गायब हो गया। घटना के बाद लापरवाही के आरोप में उसकी सुरक्षा में तैनात चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है और सभी पर मुकदमा दर्ज किया गया है। अतुल सिंह पर पेट्रोल पंप से डीजल भरवाकर भुगतान किए बिना वाहन लेकर भागने जैसी कई ठगी की घटनाओं में शामिल होने का आरोप है। गिरफ्तारी के दौरान छत से कूदने पर उसका पैर टूट गया था। इसी उपचार के लिए उसे 17 नवंबर को जिला कारागार से मेडिकल कॉलेज भेजा गया था।

सहायक पुलिस अधीक्षक मेविस टॉक के अनुसार रविवार शाम करीब 5 बजे कैदी वार्ड से अचानक गायब हो गया। सुरक्षा में लगे हेड कांस्टेबल सौरभ यादव, अजय सिंह, मुकेश कुमार और शत्रुघन सिंह पर ड्यूटी में गंभीर चूक सामने आई। प्रारंभिक जांच के बाद चारों को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार घटना के समय दो पुलिसकर्मी भोजन के लिए कमरे पर गए थे, जबकि दो को कैदी की निगरानी करनी थी। जब वे लौटे तो न बंदी मिला और न ही ड्यूटी पर मौजूद दोनों सिपाही।

कोडीन कफ सिरप घोटाला

शुभम जायसवाल के दो सहयोगी बनारस में गिरफ्तार

वाराणसी। शहर में सामने आए कोडीन कफ सिरप प्रकरण में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल के दो करीबी सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया है। कोतवाली पुलिस ने हरी ओम फार्मा से जुड़े विशाल कुमार जायसवाल और काल भैरव ट्रेडर्स के संचालक बादल आर्य को हिरासत में लिया।

काशी जोन के उपायुक्त गौरव वंशवाल ने सोमवार को प्रेसवार्ता में बताया कि दोनों आरोपितों ने पूछताछ में अपने नेटवर्क और पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा किया है। उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी फर्म डी.एस.ए. फार्मा खोजवा से संचालित होती है। इसी दौरान उनकी मुलाकात श्रीहरी फार्मा एंड सर्जिकल एजेंसी के प्रोपराइटर अमित जायसवाल और शैली ट्रेडर्स के कंपीटेंट पर्सन शुभम जायसवाल से हुई थी।

मुनाफे का लालच देकर धंधे में फंसाया

आरोपितों के मुताबिक, शुभम ने अधिक मुनाफे का लालच देकर उन्हें कफ सिरप के अवैध कारोबार में शामिल किया। बाद में फर्जी और कूटरचित दस्तावेजों के सहारे उनके नाम पर ड्रग लाइसेंस भी तैयार कराया गया। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपितों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई तेज कर दी गई है, जबकि मामले के अन्य पहलुओं की जांच जारी है। अधिकारियों का कहना है कि इस नेटवर्क में शामिल हर व्यक्ति पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दो साल में किया 425 करोड़ का संदिग्ध लेनदेन

सोनभद्र। नशीले कफ सिरप की अवैध तस्करी से जुड़े मामले में सोनभद्र पुलिस की एसआईटी ने बड़े वित्तीय फर्जीवाड़े का पर्दाफाश किया है। जांच के दौरान टीम ने पाया कि पिछले दो वर्षों में शैली ट्रेडर्स नामक फर्म के बैंक खाते से लगभग 425 करोड़ का संदिग्ध वित्तीय लेन-देन किया गया। एसआईटी ने अब तक 30 बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है और 60 लाख की राशि को जब्त किया गया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने सोमवार को जानकारी दी कि थाना रॉबर्ट्सगंज में दर्ज नशीले कफ सिरप तस्करी प्रकरण में एसआईटी लगातार जांच कर रही है। जांच में यह भी सामने आया कि इस अवैध नेटवर्क में सोनभद्र की मां कृपा मेडिकल स्टोर और शिविक्षा फर्म, भदोही जनपद की दिलीप मेडिकल एजेंसी, आयुष इंटरप्राइजेज और राजेन्द्र एंड संस ड्रग एजेंसी जैसी कई प्रतिष्ठान शामिल रहे हैं।

अंगीठी की जहरीली गैस की चपेट में आए सुरक्षा गार्ड

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 48 स्थित एक मकान में बीती रात अंगीठी जलाकर गार्ड रूम में बैठे दो सुरक्षा कर्मी जहरीली गैस की चपेट में आ गए। घटना में एक गार्ड की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है। थाना सेक्टर 49 के प्रभारी सुनील कुमार भारद्वाज ने बताया कि धीरेंद्र कुमार और दिनेश कुमार (42) नामक गार्ड बीती रात कड़ाके की सर्दी से बचने के लिए लोहे के तसले में आग जलाकर बंद कमरे में बैठे थे। आग से निकलने वाले धुएं के कारण कमरे में कार्बन डाइऑक्साइड गैस बन गई, जिससे दोनों बेहोश हो गए। सुबह महिला सुरक्षा गार्ड प्रभा कुमारी ड्यूटी पर आई और दोनों को बेहोशी की अवस्था में पाया। उन्होंने तुरंत सिक्योरिटी कंपनी को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीम ने उन्हें नोएडा के सेक्टर 24 स्थित ईएसआईसी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने धीरेंद्र कुमार को मृत घोषित कर दिया, जबकि दिनेश कुमार का इलाज चल रहा है। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि घटना अंगीठी जलाने से उत्पन्न कार्बन डाइऑक्साइड गैस के कारण हुई।

व्यापार जगत

रिलायंस समूह लगाएगा अत्याधुनिक सौर ऊर्जा संयंत्र

- देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को मिलेगा बल

नई दिल्ली। अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह ने स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा कदम उठाते हुए एक उन्नत और पूर्णतः एकीकृत सौर विनिर्माण सुविधा स्थापित करने की तैयारी शुरू कर दी है। यह संयंत्र इनगॉट, वेफर, सेल और मॉड्यूल—सौर उत्पादन की संपूर्ण प्रक्रिया—को एक ही छत के नीचे समेटेगा। कंपनी ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की यह परियोजना निवेशकों के समक्ष प्रस्तुत कर दी गई है। बताया गया कि अगली पीढ़ी की तकनीक से सुसज्जित यह यूनिट न केवल आयात निर्भरता कम करेगी बल्कि भारत की स्वच्छ ऊर्जा सुरक्षा को भी नए स्तर पर ले जाएगी। वर्तमान में भारत को 2030 तक प्रतिवर्ष 55–60 गीगावाट सौर मॉड्यूल की आवश्यकता होगी, लेकिन 'अपस्ट्रीम' विनिर्माण क्षमता अभी भी काफी कम है। ऐसे में रिलायंस का यह संयंत्र घरेलू उत्पादन व बढ़ती मांग के बीच की खाई को काफी हद तक पाटने में सहायक होगा।

हाइब्रिड और परियोजनाओं का नवीनीकरण

रिलायंस समूह की दूसरी इकाई, रिलायंस पावर ने भी अपने निवेशक प्रस्तुतीकरण में संकेत दिया कि उसकी सहयोगी कंपनी रिलायंस एनयू एनर्जीज सामान्य सौर ऊर्जा से आगे बढ़कर हाइब्रिड और 24×7 उपलब्ध रहने वाली नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को गति दे रही है। वर्तमान में देश का स्थिर ऊर्जा भंडारण आधार एक गीगावाट से भी कम है, जिसे 2032 तक 250 गीगावाट तक ले जाने का लक्ष्य है। घरेलू उत्पादन फिलहाल अनुमानित मांग का केवल 10 प्रतिशत ही पूरा कर पाता है। रिलायंस का यह नया कदम नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में घरेलू क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

सेंसेक्स 610 अंक लुढ़का निफ्टी 26,000 के नीचे

- शेयर बाजार में भारी गिरावट, हफ्ते के पहले दिन लाल निशान पर खुला बाजार

एजेंसी । नई दिल्ली

लगातार दो दिनों की तेजी के बाद सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में जोरदार गिरावट देखने को मिली। देशी पूंजी की निरंतर निकासी के बीच हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार लाल निशान पर खुला। विदेशी निवेशकों की बिकवाली और मुनाफावसूली के दबाव के चलते बीएसई का सेंसेक्स 610 अंक लुढ़ककर 85,102.69 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई का निफ्टी 25,960.55 के स्तर पर आ गया, जो 26,000 के नीचे है। सेंसेक्स के दौरान एक समय यह 836.78 अंक टूटकर 84,875.59 तक चला गया। निफ्टी भी कारोबार के दौरान 294.2 अंक गिरकर 25,892.25 तक पहुँच गया। 30 शेयरों वाले सेंसेक्स में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, इटर्नल, ट्रेंट, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, अदाणी पोर्ट्स, भारतीय स्टेट बैंक, पावरग्रिड, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, टाइटन, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक और भारती एयरटेल के शेयरों में प्रमुख गिरावट देखी गई। वहीं, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

यूरोपीय बाजारों में भी मिलाजुला रुख

विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत निर्णय आने से पहले निवेशकों ने रक्षात्मक रुख अपनाया, जिससे बाजार में दबाव बढ़ा। इसके अलावा यूरोपीय शेयर बाजार मिलेजुले रुख में रहे और ब्रेंट क्रूड 0.61 फीसदी गिरकर 63.37 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। पिछले सत्र शनिवार को सेंसेक्स 447 अंक चढ़कर 85,712.37 और निफ्टी 152.70 अंक बढ़कर 26,186.45 पर बंद हुआ था।

ICICI प्रुडेंशियल एएमसी का IPO 12 दिसंबर से

मुंबई। देश के सबसे बड़े निजी बैंक आईसीआईसीआई बैंक की अनुषंगी कंपनी आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 12 दिसंबर से शुरू होगा। निवेशक 16 दिसंबर तक इस आईपीओ में बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि आईपीओ का आकार 10,602 करोड़ रुपये है। इसमें बड़े निवेशक (एंकर) 11 दिसंबर से बोली लगा सकते हैं। आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल एएमसी ने प्रति शेयर मूल्य दायरा 2,061 से 2,165 रुपये तय किया है। बोली न्यूनतम 6 शेयरों के लिए लगाई जा सकती है और उसके बाद 6 शेयरों के मल्टीपल में।

कंपनी ने कहा कि यह निर्गम पूरी तरह विक्रय प्रस्ताव (ओएफएस) पर आधारित है। यानी कंपनी को इस बिक्री से कोई पूंजी नहीं मिलेगी, बल्कि प्राप्त राशि शेयरधारकों को जाएगी। आईपीओ का 50 प्रतिशत योग्य संस्थागत निवेशकों के लिए, 35 प्रतिशत खुदरा निवेशकों के लिए और 15 प्रतिशत गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित किया गया है।

19 दिसंबर को सूचीबद्ध होंगे शेयर

आईसीआईसीआई बैंक के अनुसार, इस खरीद का मुख्य उद्देश्य स्टॉक-आधारित मुआवजा देने के दौरान बैंक की बहुलांश हिस्सेदारी बनाए रखना है। कंपनी के शेयर 19 दिसंबर को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हो सकते हैं, जिससे इसका बाजार मूल्यांकन लगभग 1.07 लाख करोड़ रुपये (करीब 11.86 अरब डॉलर) आंका गया है।

हमारी यूनिफॉर्म अलग है पर उद्देश्य एक: एयर इंडिया

नई दिल्ली। इंडिगो की उड़ानों में चल रहे बड़े पैमाने के व्यवधान और इससे देशभर के यात्रियों व एविएशन सेक्टर पर पड़े भारी असर के बीच एयर इंडिया ने मानवीयता का परिचय दिया है। एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने अपने कर्मचारियों से विशेष अपील की है कि वे इंडिगो के फंसे यात्रियों को भी उसी सहयोग और संवेदनशीलता के साथ मदद करें, जैसे वे अपने यात्रियों की करते हैं। टाटा समूह द्वारा संचालित एयर इंडिया के सीईओ ने सोमवार को जारी एक आंतरिक संदेश में कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की और कहा कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में एयर इंडिया के क्रू और ग्राउंड स्टाफ ने जिस तरह यात्रियों की सहायता की, वह बेहद प्रेरणादायक है। कैंपबेल विल्सन ने अपने संदेश में लिखा— "पिछले कुछ दिन आप सभी के लिए बेहद व्यस्त रहे हैं।

इंडिगो के शेयर में भारी गिरावट, निवेशकों में चिंता बढ़ी

नई दिल्ली। लगातार तीसरे दिन इंडिगो के संचालन संकट का असर न सिर्फ हवाई सेवाओं पर बल्कि शेयर बाजार पर भी साफ दिखा। उड़ानों की बड़े पैमाने पर रद्दीकरण, यात्रियों की नाराजगी और कंपनी की क्रू रोस्टरिंग व आंतरिक प्लानिंग प्रणाली में गड़बड़ी के खुलासे के बाद सोमवार को इंडिगो की पैरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई। बाजार खुलने के बाद शुरुआती दो घंटे में ही शेयर 7 प्रतिशत से ज्यादा टूट गया। सुबह 11:30 बजे बीएसई पर इंटरग्लोब एविएशन का शेयर 7.44 प्रतिशत गिरकर 4,971.75 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। निवेशकों के लगभग हजारों करोड़ रुपये का बाजार पूंजीकरण एक ही दिन में पिघल गया, जिससे बाजार में इंडिगो की संचालन क्षमता और प्रबंधन पर सवाल उठने लगे हैं।

संचालन संकट के कारण बढ़ी बाजार की बेचैनी

देश की सबसे बड़ी निजी एयरलाइन इंडिगो के लिए यह संकट उस समय गहराया जब सोमवार को भी उसके विभिन्न एयरपोर्ट्स—दिल्ली, श्रीनगर, हैदराबाद, बेंगलुरु, अहमदाबाद और पटना—से 500 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। इससे यात्रियों में असंतोष बढ़ा और सोशल मीडिया पर शिकायतों की बाढ़ आ गई। स्थिति सामान्य करने के लिए एयरलाइन ने क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप (सीएमजी) का गठन किया है, जो संचालन बहाली, रिफंड प्रक्रिया को तेज करने और यात्रियों को वास्तविक समय में जानकारी देने पर काम कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द होने से राजस्व पर बड़ा असर पड़ेगा। बढ़ते रिफंड और यात्रियों की शिकायतों से कंपनी की ब्रांड वैल्यू को झटका लगा है। क्रू मैनेजमेंट सिस्टम में खामी सामने आने से निवेशकों का भरोसा कमजोर हुआ।

KSCA के अध्यक्ष बने पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद

चिन्नास्वामी में आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय मैचों की बहाली का भरोसा

नई दिल्ली। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष और भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपील और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की दोबारा मेजबानी सुनिश्चित करने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि उनका प्राथमिक लक्ष्य कर्नाटक क्रिकेट को नई दिशा देना और संघ की साख को मजबूत करना है। प्रसाद का कार्यभार ऐसे समय में आया है जब चिन्नास्वामी स्टेडियम बीते महीनों में आलोचनाओं के केंद्र में रहा। 4 जून को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की आईपीएल जीत के जश्न के दौरान स्टेडियम में मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद केएससीए की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठे थे। 2010 से 2013 तक केएससीए के उपाध्यक्ष रह चुके वेंकटेश प्रसाद ने भारतीय टीम की ओर से 33 टेस्ट और 161 वनडे खेले हैं। चुनाव में जीत के बाद जारी संदेश में उन्होंने लिखा कि उनकी 'टीम गेम चेंजर्स' इकाई संगठन को फिर से क्रिकेट-केंद्रित बनाना चाहती है और चिन्नास्वामी स्टेडियम को एक विश्वस्तरीय मेजबान स्थल के रूप में पुनर्स्थापित करना उनका संकल्प है।
प्रसाद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, "केएससीए अध्यक्ष का दायित्व संभालना मेरे लिए सम्मान की बात है। हम चिन्नास्वामी में आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी सुनिश्चित करेंगे और राज्य में क्रिकेट को हर स्तर पर सुदृढ़ करेंगे। पारदर्शिता और टीमवर्क हमारा आधार होगा।

प्रथम श्रेणी क्रिकेट से लेंगे संन्यास मिचेल मार्श

एजेंसी । सिडनी

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम इस समय एशेज सीरीज में हिस्सा ले रही है, जिसकी शुरुआती 2 टेस्ट के लिए मिचेल मार्श टीम का हिस्सा नहीं थे। ऐसी खबर है कि मार्श अपने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास लेने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 34 वर्षीय इस खिलाड़ी ने वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की ओर से अपना आखिरी प्रथम श्रेणी मैच खेल लिया है, जिससे उनका टेस्ट भविष्य अधर में लटक गया है।
मार्श ने वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के अपने साथी खिलाड़ियों को बताया है कि वे अब केवल सफेद गेंद क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, भले ही उन्होंने अपने घरेलू टीम से प्रथम श्रेणी नहीं खेलने का निर्णय लिया हो, लेकिन वह राष्ट्रीय टीम से मौका मिलने पर टेस्ट खेलना चाहते हैं। हालांकि, घरेलू टीम से संन्यास के बाद मार्श की टेस्ट टीम में वापसी की संभावनाएं कम जाएंगी।

2019 से शेफील्ड शील्ड में खेले हैं सिर्फ 9 मैच

2019 से, मार्श ने वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के लिए सिर्फ 9 शेफील्ड शील्ड मैच खेले हैं। उन्हें इस समय जारी एशेज सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में जगह पाने का एक संभावित दावेदार भी माना जा रहा था। हालांकि, उन्होंने हाल ही में मेलबर्न में हुए मैच में सिर्फ 9 और 4 रन के स्कोर किए। खराब फॉर्म के बावजूद, उन्होंने चयनकर्ताओं के संपर्क करने पर टेस्ट क्रिकेट खेलने की संभावना को पूरी तरह से नकारा नहीं है। ऑस्ट्रेलिया के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने अक्टूबर में कहा था कि अगर टेस्ट टीम को इससे फायदा होता है, तो वे सफेद गेंद क्रिकेट से मार्श जैसे किसी खिलाड़ी को चुनने में सहज होंगे।

मार्श ने ऑस्ट्रेलिया से खेले हैं 66 टेस्ट

मार्श ने अपना पहला टेस्ट मैच पाकिस्तान के खिलाफ साल 2014 में खेला था। उन्होंने 66 टेस्ट मैच खेले हैं और इसकी 80 पारियों में 28 .53 की औसत से 2,083 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 3 शतक और 9 अर्धशतक निकले हैं। मार्श का टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ स्कोर 181 रन रहा है। दूसरी तरफ गेंदबाजी में इस खिलाड़ी ने 40 .41 की औसत के साथ 53 विकेट भी झटके हैं। उन्होंने एक पारी में 5 विकेट हॉल लिया है। मार्श ने अपने प्रथम श्रेणी करियर में अब तक 122 मैच खेले हैं, जिसमें 33 की औसत के साथ 6,415 रन बनाए थे। उन्होंने 13 शतक और 29 अर्धशतक लगाए थे।

जूनियर महिला हॉकी वर्ल्ड कप

भारत ने वेल्स को हराया

3-1 के अंतर से दी मात, नौ दिसंबर को अगला मुकाबला उरुग्वे से

सैंटियागो (चिली)। एफआईएच जूनियर महिला हॉकी वर्ल्ड कप 2025 में भारतीय टीम ने मजबूत खेल का प्रदर्शन करते हुए 9/16वें स्थान के क्वालिफिकेशन मुकाबले में वेल्स पर 3-1 से जीत हासिल की। मैच सैंटियागो के सेंट्रो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेस्पेड, एस्टेडियो नासिओनल में खेला गया। भारत की ओर से हिना बानो (14वां मिनट), सुनेलिता टोप्पो (24वां मिनट) और इशिका (31वां मिनट) ने शानदार फील्ड गोल किए। वेल्स की ओर से एलोइस मोएट ने 52वें मिनट में टीम का एकमात्र गोल दागा। मैच की शुरुआत से ही भारतीय खिलाड़ी आक्रामक मूड में नजर आईं। पहले आधे मिनट के भीतर टीम ने पेनल्टी कॉर्नर बनाया, लेकिन शुरुआती बढ़त नहीं मिल सकी। इस बीच वेल्स को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, मगर भारतीय गोलकीपर निधि के बेहतरीन बचाव ने स्कोर को बराबरी पर बनाए रखा। पहले क्वार्टर के अंत में साक्षी राणा के सुंदर मूव को हिना बानो ने टैप-इन में बदलकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे क्वार्टर में भी भारतीय दबदबा कायम रहा। साक्षी के शॉट पर आए रिबाउंड को सुनेलिता टोप्पो ने गोल में बदलकर स्कोर 2-0 कर दिया।

ओवर स्लो करने पर भारतीय टीम पर लगा जुर्माना

एजेंसी । नई दिल्ली

रायपुर में 3 दिसंबर को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए दूसरे वनडे मैच में समय पर ओवर पूरा न करने के कारण भारतीय क्रिकेट टीम पर आईसीसी ने मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया है।
आईसीसी के एमिरेट्स एलीट पैनल मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने यह सजा सुनाई। कप्तान केएल राहुल की अगुवाई वाली टीम निर्धारित समय के अनुसार ओवर नहीं पूरा कर सकी और तय लक्ष्य से दो ओवर पीछे रही।
आईसीसी के आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत न्यूनतम ओवर-रेट का उल्लंघन होने पर हर ओवर की कमी पर मैच फीस का 5 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। इस आधार पर दो ओवर कम होने

पर कुल 10 प्रतिशत जुर्माना निर्धारित किया गया। भारतीय कप्तान केएल राहुल ने इस आरोप को स्वीकार कर लिया, जिससे औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। यह उल्लंघन ऑन-फील्ड अंपायर रॉड टकर और रोहन पंडित, तीसरे अंपायर सैम नोगाजस्की, और चौथे अंपायर जयरामन मदनगोपाल द्वारा दर्ज किया गया था।

नौकायन : केरल तट पर शुरू हुआ 'एडमिरल कप'

- आईएनए समेत 35 देशों की नौसेनाएं ले रहीं हिस्सा
- चार दिनों तक चलेगी रोमांचक नौकायन प्रतिस्पर्धा

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना अकादमी (आईएनए), एझिमाला की मेजबानी में प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय नौकायन प्रतियोगिता 'एडमिरल कप' सोमवार से शुरू हो गई है। नौसैनिक अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए दुनिया की शीर्ष नौकायन चैंपियनशिप में शुमार इस टूर्नामेंट के 14वें संस्करण में 35 देशों की नौसेनाएं भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन 9 दिसंबर को होगा, जिसके बाद केरल तट की चुनौतीपूर्ण समुद्री परिस्थितियों और तेज हवाओं के बीच चार दिनों की कड़ी रेसिंग देखी जाएगी। आईएनए के अनुसार, 2010 में शुरू किया गया

एडमिरल कप मित्र देशों की नौसेनाओं के युवा अधिकारियों के बीच सौहार्द, सहयोग और समुद्री समन्वय बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। समय के साथ यह चैंपियनशिप वैश्विक पहचान बना चुकी है और आज विभिन्न नौसेना अकादमियों से आने वाले शीर्ष नाविकों की प्रतिभा का मंच बन गई है। प्रतियोगिता आईएलसीए-6 श्रेणी की अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सेलबोट्स पर मैच रेसिंग प्रारूप में आयोजित की जा रही है।

रेस के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे आयोजित

टीमें रेस के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों, इंटरैक्टिव सत्रों और भारतीय नौसेना की परंपराओं व प्रशिक्षण पद्धतियों से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में भी भाग लेंगी। एडमिरल कप का समापन 13 दिसंबर को पुरस्कार समारोह के साथ होगा, जहां सर्वश्रेष्ठ टीमों और उत्कृष्ट नाविकों को सम्मानित किया जाएगा। यह आयोजन भारत की समुद्री साझेदारी को मजबूत करने और वैश्विक नौसैनिक सहयोग के प्रति प्रतिबद्धता को एक बार फिर रेखांकित करता है।

बॉ ली वु ड

धर्मेंद्र को लेकर भावुक हुईं सायरा बानो

हाल ही में अभिनेता धर्मेंद्र का निधन हुआ। उनके जाने से हिंदी सिनेमा जगत में एक सूनापन भर गया है। साथ करीबी लोगों को भी उनकी कमी खल रही है। सोमवार को दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र का जन्मदिन था। इस मौके पर परिवार के अलावा सायरा बानो ने भी धर्मेंद्र को याद किया है। दिलीप साहब और धर्मेंद्र से जुड़ा एक वीडियो पोस्ट किया है। साथ ही एक इमोशनल पोस्ट भी शेयर की है। सायरा बानो ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पुराना वीडियो पोस्ट किया, जिसमें धर्मेंद्र, दिलीप साहब और खुद सायरा बानो नजर आ रही हैं। वह इस वीडियो में कहती हैं कि धर्मेंद्र की फोटो देखकर हमने कहा था कि ये दिलीप साहब के भाई लगते हैं। साथ ही वह यह भी कहती हैं कि उनके और धर्मेंद्र के बीच इस बात को लेकर एक तरह का कॉम्पिटिशन सा है कि कौन दिलीप साहब को ज्यादा प्यार करता है। वैसे सायरा मानती थीं कि वही दिलीप साहब को ज्यादा प्यार करती हैं।

धर्मेंद्र के लिए लिखा भावुक पोस्ट

सायरा बानो ने वीडियो शेयर करने के साथ एक इमोशनल पोस्ट भी लिखी है। इसमें वह धर्मेंद्र की शख्सियत, खासियत का जिक्र करती हैं। वह लिखती हैं, 'धरम जी को अगर मैं शब्दों में बयां करना चाहूं, तो यह कभी भी आसान नहीं होगा। कुछ लोग बहुत बड़े होते हैं, बहुत नरम दिल होते हैं, बहुत प्यारे होते हैं। धर्मेंद्र ऐसे ही थे। उनकी विनम्रता बिल्कुल दिलीप साहब जैसी थी। सितारों से भरी दुनिया में वह अलग तरह से चमकते थे।' सायरा बानो आगे लिखती हैं, 'वह (धर्मेंद्र) हमेशा हमारे परिवार के बहुत करीब थे।' जिस तरह से वह दिलीप साहब से प्यार करते थे। कभी-कभी मैं यह तय नहीं कर पाती थी कि दिलीप साहब को मैं या फिर धरम जी कौन ज्यादा प्यार करता था। उनका रिश्ता दोस्ती से कहीं ज्यादा था।'

सायरा बानो को खली धर्मेंद्र की कमी

अपनी पोस्ट में सायरा बानो आगे लिखती हैं, 'आज धरम जी के जन्मदिन पर, मेरा दिल भारी है। भारी इसलिए क्योंकि काश वह अभी भी हमारे साथ होते। लेकिन मुझे यह भी यकीन है कि वह अब दिलीप साहब के साथ हैं। दोनों कहीं एक शांत, अच्छी दुनिया में हैं और हंसते हुए बातें कर रहे हैं।' आखिरी में सायरा बानो लिखती हैं, 'हैप्पी बर्थडे, धरम जी। आप भले ही यहां न हों, लेकिन आपकी अच्छाई, आपका अपनापन, आपकी विनम्रता बनी रहेगी और आपके लिए हमारा प्यार भी हमेशा बना रहेगा।'

अक्षय खन्ना की मुरीद हुईं फराह खान

फराह खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करते हुए अक्षय खन्ना की जमकर तारीफ की है। फिल्ममेकर का मनाना है कि फिल्म 'धुरंधर' में अपने दमदार अभिनय के लिए अक्षय खन्ना ऑस्कर अवॉर्ड डिजर्व करते हैं। इस बात को कहने के लिए उन्होंने अपनी फिल्म 'तीस मार खान' का रेफरेंस सीन लिया है। इस फिल्म में अक्षय खन्ना ने भी एक अहम किरदार निभाया था। फराह खान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें एक जगह पर अक्षय खन्ना 'धुरंधर' फिल्म के किरदार रहमान डकैत के रोल में नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी वीडियो में फिल्म 'तीस मार खान' का सीन है, जिसमें अक्षय कुमार, अक्षय खन्ना के किरदार को देखकर कहते हैं, 'वो रहा मेरा सुपरस्टार, मेरा ऑस्कर।' इन दिनों यह सीन सोशल मीडिया पर वायरल है। फैंस भी मान रहे हैं कि फिल्म 'धुरंधर' में अपने अभिनय के दम पर अक्षय खन्ना छा गए हैं।
फिल्म 'तीस मार खान' को फराह खान ने निर्देशित किया था। यह एक कॉमेडी फिल्म थी, जिसमें अक्षय खन्ना का किरदार एक एक्टर है, जो अपनी एक्टिंग के दम पर ऑस्कर पाने का ख्वाब देखता है। इस सीन को हाइलाइट करते हुए, फराह खान का कहना है कि 'धुरंधर' में की गई एक्टिंग के लिए अक्षय खन्ना ऑस्कर अवॉर्ड डिजर्व करते हैं।

कनिका कपूर से लाइव कॉन्सर्ट में बदतमीजी

सिंगर कनिका कपूर रविवार की रात मेघालय के 'मी गॉन्ग' फेस्टिवल में परफॉर्म कर रही थीं। उनकी परफॉर्मेंस का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें एक फैन बीच परफॉर्मेंस उनसे बदसलूकी करने की कोशिश करता नजर आ रहा है। सामने आए वीडियो में नजर आता है कि कनिका स्टेज पर काला चश्मा गाने पर पर परफॉर्मेंस दे रही हैं, तभी साइड से एक फैन स्टेज पर चढ़ जाता है। वो दौड़कर कनिका के पास जाता है और उन्हें पैरों से पकड़ गोद में उठाने की कोशिश करता है। तभी स्टेज पर मौजूद सिक्योरिटी उस फैन को खींचकर अलग करती है। इन सबके बाद भी कनिका अपनी परफॉर्मेंस जारी रखती हैं। हालांकि, फैन के इस बिहेवियर से वो हैरान जरूर हो जाती हैं। कनिका के साथ फैन की इस बदसलूकी पर सोशल मीडिया यूजर्स अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। वे इस हरकत की निंदा कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- 'भारत में, महिलाएं स्टेज पर भी इतने लोगों के सामने सुरक्षित नहीं हैं।'

16 साल बाद पर्दे पर फिर लौटेगी राजू, रैंचो और फरहान की तिकड़ी

राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी फिल्म '3 इडियट्स' को दर्शकों का बेशुमार प्यार मिला था। यह फिल्म साल 2009 में रिलीज हुई थी, जिसके गाने आज भी लोगों के दिलों में बसते हैं। खबर है कि आमिर खान, शरमन जोशी और आर माधवन की तिकड़ी वाली यह फिल्म, 16 साल बाद सीक्वल के साथ वापसी को तैयार है। निर्माताओं ने '3 इडियट्स' सीक्वल के लिए स्क्रिप्ट का काम पूरा कर लिया है।रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म से जुड़े करीबी सूत्र ने '3 इडियट्स' के सीक्वल पर अपडेट दिया है। इसमें रैंचो (आमिर), राजू (शरमन) और फरहान (माधवन) की जोड़ी और करीना कपूर भी दोबारा लौटेंगी। सूत्र ने कहा, ₹स्क्रिप्ट तैयार हो चुकी है। शूटिंग 2026 की दूसरी छमाही में शुरू होगी। टीम इसके लिए बेहद उत्साहित है। उन्हें लगता है कि पहली फिल्म का जादू लौट आया है और यह पहले भाग की तरह ही मजेदार, भावुक और सार्थक है। सूत्र ने आगे कहा, कहानी आगे बढ़ेगी, जो क्लाइमेक्स सीन में किरदारों के अलग होने के लगभग 15 साल बाद शुरू होगी और एक नए रोमांच के लिए फिर से एक साथ आएगी। सीक्वल में दर्शकों को रैंचो, राजू, फरहान और पिया की पुरानी यादें फिर दिखेंगी!

500 करोड़ में सीएम वाले बयान पर घमासान

नवजोत सिद्धू की पत्नी पर गिरी गाज

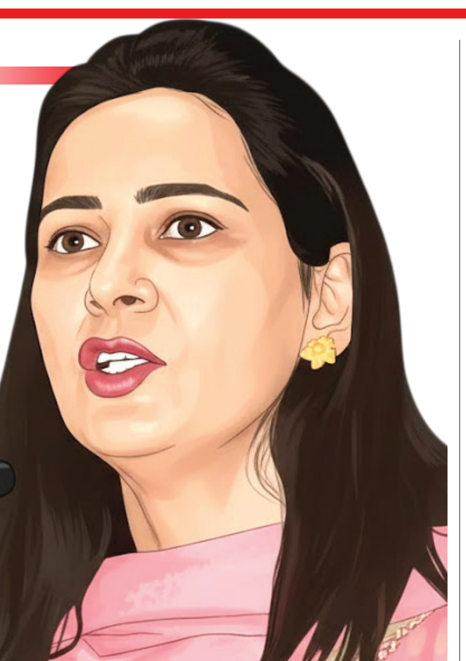

▶▶ कांग्रेस ने प्राथमिक सदस्यता भी छीनी

नवजोत कौर ने कांग्रेस नेतृत्व पर 'सीएम पद के लिए 500 करोड़ के सूटकेस' लेने का लगाया था आरोप

एजेंसी | नई दिल्ली

कांग्रेस ने नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी के खिलाफ बड़ा ऐक्शन लिया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से पार्टी से सस्पेंड कर दिया गया है। कांग्रेस की पंजाब इकाई के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर सिद्धू ने शनिवार को कथित तौर पर कहा था कि जो 500 करोड़ रुपये का 'सूटकेस' देता है, वही मुख्यमंत्री बन जाता है। हालांकि बाद में उन्होंने सफाई भी पेश की थी। लेकिन यह उनके काम नहीं आई और उन्हें पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी हाथ धोना पड़ा।

क्या कहा था नवजोत ने

पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर ने राज्य में कथित रूप से बिगड़ती कानून-व्यवस्था सहित कई मुद्दों पर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात की थी। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से कहाकि हम हमेशा पंजाब और पंजाबियत की बात करते हैं...लेकिन हमारे पास मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के लिए 500 करोड़ रुपए देने को नहीं हैं। किसी की ओर से पैसों की मांग किए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि किसी ने नहीं मांगे हैं लेकिन जो 500 करोड़ रुपए का 'सूटकेस' देता है, वही मुख्यमंत्री बन जाता है।

काम न आई सफाई

बयान पर राजनीतिक विवाद खड़े होने के बाद सफाई देते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। कौर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर रविवार शाम लिखा कि मैं हैरान हूं कि मेरे सीधे बयान को किस तरह तोड़-मरोड़कर पेश किया गया। मैंने सिर्फ इतना कहा था कि कांग्रेस पार्टी ने हमसे कभी कुछ नहीं मांगा। जब मुझसे पूछा गया कि नवजोत किसी दूसरी पार्टी से मुख्यमंत्री पद का चेहरा बन सकते हैं या नहीं, तो मैंने कहा कि हमारे पास मुख्यमंत्री पद के वास्ते किसी को देने के लिए कोई पैसा नहीं है।

क्या बोलीं आप-भाजपा

नवजोत कौर के इस बयान के बाद सियासी तूफान खड़ा हो गया। भाजपा समेत तमाम विपक्षी दल नवजोत कौर के इस बयान के बाद कांग्रेस पर हमलावर हो गए थे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) ने उनके बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दावा किया कि इससे कांग्रेस की कार्यप्रणाली का 'घिनौना सच' सामने आ गया है।

केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह का रिएक्शन

नवजोत कौर के इस बयान पर केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू की भी प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहाकि जब मेरे दादाजी मुख्यमंत्री थे तब कांग्रेस में इस तरह की चीजें नहीं होती थीं। लेकिन अब पिछले कुछ साल से हमें यह सब सुनने को मिल रहा है। रवनीत सिंह बिट्टू ने कहाकि यही वजह है कि मेरे जैसे लोगों ने पार्टी छोड़ दी। उन्होंने यह भी कहा कि मुझे नहीं लगता कि कांग्रेस पार्टी कभी इस मामले की जांच कराएगी। पार्टी सिस्टम के अंदर जांच कराओ। आपके पीसीसी चीफ वारिंग साहब कितना लेते हैं।

देशभर में फैले साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़

▶▶ सोशल मीडिया पर खुद को निवेश गुरु बताकर लोगों को फंसाता था गिरोह

▶▶ तीन गिरफ्तार, 6.33 करोड़ की ठगी का खुलासा

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक देशव्यापी साइबर ठगी गिरोह का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह खुद को सेबी (SEBI) रजिस्टर्ड स्टॉक ब्रोकर बताकर प्री-IPO शेयर, सेकेंडरी मार्केट और ऑफ-मार्केट ट्रेडिंग में भारी मुनाफा दिलाने का झांसा देकर लोगों से करोड़ों रुपये हड़पता था। अब तक इस गिरोह के खिलाफ 165 साइबर शिकायतें दर्ज हुई हैं और करीब 6.33 करोड़ रुपये की ठगी का पता चला है।

सोशल मीडिया पर 'निवेश गुरु' बनाकर फंसा रहे थे लोग

गिरोह के सदस्य सोशल मीडिया पर निवेश सलाहकार या 'निवेश गुरु' बनकर सक्रिय थे। उन्होंने आकर्षक प्रॉफिट स्क्रीनशॉट, नकली सेबी सर्टिफिकेट और फर्जी ट्रेडिंग ऐप दिखाकर लोगों को लुभाया। पीड़ितों को भरोसा दिलाने के लिए शुरुआती लाभ दिखाकर उन्हें बड़ी रकम निवेश करने के लिए प्रेरित किया जाता था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ओडिशा निवासी प्रवेश चंद्र पांडा, प्रीतम रोशन पांडा और श्रीतम रोशन पांडा के रूप में हुई है। ये तीनों ओडिशा में संचालित एक बड़े म्यूल अकाउंट नेटवर्क को संचालित कर रहे थे। उनके कब्जे से 17 मोबाइल फोन, 21 सिम कार्ड, 124 एटीएम/डेबिट कार्ड, दर्जनों बैंक पासबुक, चेक बुक और अन्य वित्तीय दस्तावेज बरामद किए गए।

49.73 लाख रुपये की ठगी का खुलासा

पुलिस के अनुसार गिरोह का खुलासा एक पीड़ित की शिकायत से हुआ। पीड़ित ने भारी मुनाफे का लालच देकर 49.73 लाख रुपये विभिन्न खातों में जमा कराए थे। जांच में सामने आया कि यह रकम ओडिशा में संचालित म्यूल अकाउंट्स के माध्यम से विभिन्न खातों में ट्रांसफर की गई थी। वित्तीय जांच में पता चला कि रकम पहले बिजनेस खातों में भेजी जाती, फिर म्यूल अकाउंट्स में शिफ्ट होती और अंत में गिरोह के क्षेत्रीय सदस्यों द्वारा एटीएम से निकालकर सरगनाओं तक पहुंचाई जाती थी।

न्यूज़ ब्रीफ

पाकिस्तान और लोकतंत्र साथ-साथ नहीं चलते: भारत

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के कारावास एवं उसे लेकर जारी राजनीतिक आंदोलन पर कटाक्ष करते हुए आज कहा कि यह शुरू से ही जगजाहिर है कि पाकिस्तान और लोकतंत्र साथ-साथ नहीं चलते। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल सोमवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में पाकिस्तान में जारी घटनाक्रम को लेकर पूछे गये सवालों पर टिप्पणी करते हुए सोमवार को कहा कि वहां लोकतंत्र पर जितनी बात की जाए उतनी कम है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को जेल में रखने और वहां स्थिति से जुड़े सवाल पर जायसवाल ने कहा कि भारत पड़ोसी देश के हर घटनाक्रम पर बारीक नजर रखता है। उन्होंने आगे कहा कि जहां तक पाकिस्तान में लोकतंत्र के कमजोर होने का सवाल है, उसपर जितना कहा जाए उतना कम है। पाकिस्तान और लोकतंत्र साथ-साथ नहीं चलते। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में प्रवक्ता ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा को लेकर हो रही झड़पों पर प्रतिक्रिया दी है।

काउंसिल चुनावों में महिलाओं को दें 30% आरक्षण: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। देश में महिला वकीलों की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए उन सभी राज्य बार काउंसिलों को निर्देश दिया है, जहां चुनाव प्रक्रिया अभी शुरू नहीं हुई है, कि महिला अधिवक्ताओं के लिए 30 फीसदी सीटें अनिवार्य रूप से आरक्षित की जाएं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि जिन राज्यों में महिला उम्मीदवारों की संख्या अपेक्षाकृत कम है, वहां 20 फीसदी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएं, जबकि 10 फीसदी महिला वकीलों को को-ऑप्ट करने का प्रावधान किया जाए ताकि पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सके। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि आंध्र प्रदेश, पंजाब एवं हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, बिहार और छत्तीसगढ़ में चुनाव प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है, इसलिए इन राज्यों में महिला आरक्षण के नए प्रावधान लागू नहीं होंगे। हालांकि, अन्य सभी राज्य बार काउंसिलों में यह व्यवस्था लागू की जाएगी।

ब्लास्ट केस: चार आरोपितों की हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली। लाल किला ब्लास्ट मामले में गिरफ्तार चार आरोपितों की एनआईए हिरासत को अदालत ने चार दिनों के लिए और बढ़ा दिया है। पटियाला हाउस कोर्ट की प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज अंजु बजाज चांदना ने सोमवार को चारों को एजेंसी की कस्टडी में ही रखने का आदेश दिया। उनकी पिछली हिरासत की अवधि आज समाप्त हो रही थी, जिसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। आरोपितों में पुलवामा के डॉ. मुजम्मिल शकील गनई, जम्मू-कश्मीर के डॉ. आदिल अहमद रतहर, लखनऊ की डॉ. शाहीन सईद और जम्मू-कश्मीर के मुफ्ती इरफान वागे—को अदालत पहले 29 नवंबर तक एनआईए की हिरासत में भेज चुकी थी, जिसे बाद में 8 दिसंबर तक बढ़ाया गया। अब इसे एक बार फिर चार दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है।

बीजापुर में नक्सलियों का उत्पात, ठेकेदार की हत्या

▶▶ अपहरण के बाद की गई हत्या, सड़क निर्माण कार्य में लगे थे ठेकेदार इम्तियाज अली

एजेंसी | बीजापुर

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में रविवार देर शाम नक्सलियों ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत काम कर रहे ठेकेदार इम्तियाज अली की अपहरण के बाद हत्या कर दी। घटना पामेड़ थाना क्षेत्र के मेटागुड़म गांव की है, जहां ठेकेदार सड़क निर्माण कार्य की निगरानी कर रहा था। नक्सलियों ने इम्तियाज और उसके एक सहयोगी का अपहरण किया था। अपहृत सहयोगी किसी तरह नक्सलियों के चंगुल से बचकर इरापल्ली स्थित मेटागुड़म सुरक्षा कैंप पहुंचा और पूरी घटना की सूचना सुरक्षाबलों को दी। सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा बलों की टीमें मौके की ओर रवाना हुईं, लेकिन ठेकेदार को बचाया नहीं जा सका। नक्सलियों ने हत्या के बाद शव को रास्ते में फेंक दिया और वहीं एक पर्चा छोड़ कर पामेड़ एरिया कमेटी ने घटना की जिम्मेदारी भी ले ली। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव ने ठेकेदार के अपहरण और हत्या की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है और नक्सलियों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

जिले में बढ़ाई गई पेट्रोलिंग

पुलिस का मानना है कि नक्सली इस तरह की घटनाओं के जरिए विकास परियोजनाओं को रोकना और सुरक्षा बलों की गतिविधियों में बाधा पैदा करना चाहते हैं। जिले में सुरक्षा पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है और सर्च ऑपरेशन तेज कर दिए गए हैं। ग्रामीणों और निर्माण कार्य से जुड़े कर्मचारियों ने बताया कि इम्तियाज अली क्षेत्र में अपनी ईमानदारी और समय पर काम पूरा करने के लिए जाने जाते थे।

मणिपुर से चार उग्रवादी गिरफ्तार

भारी मात्रा में हथियार, गोला बारूद बरामद

इंफाल। मणिपुर पुलिस और सुरक्षा बलों ने रविवार को अलग-अलग अभियानों में चार उग्रवादियों को गिरफ्तार कर राज्य में सक्रिय प्रतिबंधित संगठनों के नेटवर्क पर महत्वपूर्ण चोट पहुंचाई है। सभी गिरफ्तारियां विष्णुपुर, इंफाल पूर्व और लमसांग क्षेत्र में की गईं, जहां से हथियार, गोलाबारूद और संचार उपकरण भी जब्त किए गए। पहले अभियान में विष्णुपुर जिले के नाइखोंग खुलेन अवांग लाइकै से प्रीपाक का सक्रिय सदस्य लमाबम रोशन सिंह उर्फ केथम (24) को उसके घर से पकड़ा गया। तलाशी के दौरान दो स्टैलियन प्रो गन, 12-बोर के 13 जिंदा कारतूस, एक नंबर-36 हैंड ग्रेनेड, दो वॉकी-टॉकी सेट, चार्जर, बीपी जैकेट सहित अन्य सामान बरामद हुआ। इंफाल पूर्व के लामलाई इलाके में सुरक्षा बलों ने केवाईकेएल के कैडर लोंगजाम मोचा मैतेई उर्फ राज (41) को उसके निवास से हिरासत में लिया।

इंडिगो संकट

तत्काल सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। देशभर में इंडिगो की बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द होने से यात्रियों को हुई भारी परेशानी पर दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने त्वरित हस्तक्षेप से इनकार कर दिया है। शनिवार को एक वकील ने इस मुद्दे को मुख्य न्यायाधीश के समक्ष मेंशन कर जल्द सुनवाई की मांग की थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि केंद्र सरकार पहले ही स्थिति पर कार्रवाई कर रही है और मामले का संज्ञान भी ले चुकी है। उन्होंने कहा, "सरकार को स्थिति संभालने दें। तत्काल सुनवाई की आवश्यकता नहीं दिखती।" इंडिगो के परिचालन में आई तकनीकी और स्टाफिंग से जुड़ी समस्याओं के कारण पिछले दिनों कई उड़ानें रद्द हुईं, जिससे देश के विभिन्न हवाई अड्डों पर यात्रियों को लम्बी प्रतीक्षा और असुविधा का सामना करना पड़ा। हालांकि सुप्रीम कोर्ट का स्पष्ट संकेत है कि फिलहाल इस मामले में प्राथमिक जिम्मेदारी सरकार की है और न्यायालय तत्काल दखल नहीं देगा।

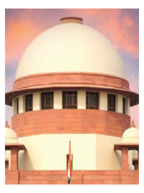

वंदे मातरम को राष्ट्रगीत बनाने में कांग्रेस की भूमिका: गोगोई

एजेंसी | नई दिल्ली

लोकसभा में वंदे मातरम् पर हुई विशेष चर्चा के दौरान कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाया कि वह इस विषय को राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और भाजपा चाहे जितना प्रयास करें, देश की आज़ादी और राष्ट्रनिर्माण में पंडित नेहरू सहित कांग्रेस के योगदान को कमतर नहीं किया जा सकता। वंदे मातरम् को राष्ट्रगीत का दर्जा दिलाने की पहल कांग्रेस ने की थी। उन्होंने याद दिलाया कि इस गीत का विरोध उस समय मुस्लिम लीग और हिंदू महासभा ने किया था, जबकि मौलाना अबुल कलाम आज़ाद ने साफ कहा था कि उन्हें इस गीत से कोई आपत्ति नहीं है। कांग्रेस ने 1905 के अपने अधिवेशन में यह निर्णय लिया कि हर कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम् के उद्घोष से की जाएगी।

बंगाल की पृष्ठभूमि पर लिखा गया

चर्चा के दौरान उन्होंने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय, जिन्होंने यह गीत बंगाल की पृष्ठभूमि पर रचा, और सरला देवी चौधरानी, जिन्होंने इसे राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित करने में भूमिका निभाई, को भी याद किया। बंगाल विभाजन (1905) के दौरान वंदे मातरम् जनता को एकजुट करने का सबसे प्रभावी प्रतीक बनकर उभरा। रवींद्रनाथ टैगोर, खुदीराम बोस और अनेक स्वतंत्रता सेनानी इस गीत की भावना से प्रेरित होकर अंग्रेजों के खिलाफ खड़े हुए।

पीढ़ियों को प्रेरित करने का अवसर

गोगोई के अनुसार, वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम, राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति का प्रतीक है। इसकी 150वीं वर्षगांठ पर इसे याद करना इतिहास को सम्मान देने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि हर नागरिक का दायित्व है कि इस गीत की भावना—एकजुट भारत—को सही मायने में समझे और निभाए।

इलेक्शन कमीशन: बंगाल में पांच स्पेशल ऑब्जर्वर तैनात

एजेंसी | कोलकाता

आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से संबंधित सभी प्रक्रियाओं की निगरानी और अधिक सख्त कर दी है। पहले से नियुक्त स्पेशल रोल ऑब्जर्वर के बाद अब आयोग ने राज्य के पांच डिवीजन में पांच नए स्पेशल रोल ऑब्जर्वर तैनात किए हैं। इनकी नियुक्ति का उद्देश्य एसआईआर (विशेष सारांश पुनरीक्षण) के दौरान फॉर्म वितरण, संग्रह, डिजिटाइजेशन और ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी होने से पूर्व की सभी प्रक्रियाओं पर त्रुटिरहित निगरानी सुनिश्चित करना है।

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची निरीक्षण प्रक्रिया तेज

सुब्रत गुप्ता को विशेष निरीक्षण का जिम्मा

इससे पहले एसआईआर की संपूर्ण व्यवस्था की समीक्षा के लिए सेवानिवृत्त आईएएस सुब्रत गुप्ता को राज्य में विशेष निरीक्षण का कार्यभार दिया गया था। अब डिवीजन स्तर पर नई तैनाती से निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट संकेत दे दिया है कि मतदाता सूची की गुणवत्ता और पारदर्शिता पर किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राज्य में आगामी दिनों में मतदाता सूची से जुड़ी गतिविधियों की गति और सख्ती दोनों बढ़ने की संभावना है।

डेबरा विधायक हुमायूं कबीर ने दिया स्पष्टीकरण

एजेंसी | डेबरा/मुर्शिदाबाद

डेबरा से तृणमूल कांग्रेस विधायक और पूर्व आईपीएस अधिकारी हुमायूं कबीर इन दिनों नाम की समानता के कारण अनचाहे विवाद में फंस गए हैं। बाबरी मस्जिद निर्माण को लेकर पार्टी से आजीवन निलंबित हुए भरतपुर विधायक हुमायूं कबीर से उनका नाम मिलता-जुलता है, जिसके कारण डेबरा विधायक के पास लगातार गलत फोन कॉल और संदेश पहुंच रहे हैं। पिछले दो दिनों में उन्हें देश और विदेश के विभिन्न इलाकों से 200 से अधिक कॉल आए, जिनमें लोग मस्जिद निर्माण के समर्थन में आर्थिक योगदान मांग रहे थे।

लगातार बढ़ते भ्रम को देखते हुए उन्होंने फेसबुक पर लिखा—"मैं वह हुमायूं नहीं, यह 'हजूर' कोई और हैं।" डेबरा विधायक ने बताया कि कई टीवी चैनल और सोशल मीडिया पोस्ट भी गलती से उनकी तस्वीर लगा चुके हैं। उन्होंने सभी को शांतिपूर्वक समझाया कि विवादित बयान देने वाले विधायक वे नहीं हैं।

गांवों की मिट्टी में बसती है भारत की शक्ति: कपड़ा मंत्री

▶▶ राष्ट्रीय हस्तशिल्प सप्ताह का आगाज़

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने राष्ट्रीय हस्तशिल्प सप्ताह की शुरुआत के अवसर पर कहा कि भारत की वास्तविक शक्ति गाँवों की मिट्टी और कारीगरों के कौशल में बसती है। उन्होंने कहा कि देश की पुरातन कला परंपराओं और हस्तशिल्प विरासत को संरक्षण और प्रोत्साहन देना आज की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। सोमवार से शुरू हुए इस विशेष सप्ताह का उद्देश्य भारतीय हस्तकला को बढ़ावा देना, आर्थिक गतिविधियों को सशक्त करना, महिला कारीगरों के योगदान को सम्मान देना और "हैंडमेड भारत" की अवधारणा को लोकप्रिय बनाना है। मंत्री ने एक्स पर लिखे संदेश में सभी नागरिकों

से अपील की कि वे इस सप्ताह को हस्तनिर्मित वस्तुओं के सम्मान के रूप में मनाएं और अपनी खरीद में कारीगरों के उत्पादों को प्राथमिकता दें। गिरिराज सिंह ने कहा कि भारतीय कारीगर सदियों से कला, परंपरा और संस्कृति की अमूल्य धरोहर को जीवित रखे हुए हैं।

बेंगलुरू में होगी C-130J सुपर हरक्यूलिस एयरक्राफ्ट की मरम्मत

▶▶ टाटा और लाकहीड मार्टिन ने बेंगलुरु में की घोषणा, खुला नया एमआरओ सेंटर

एजेंसी | नई दिल्ली

टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और लॉकहीड मार्टिन ने सोमवार को बेंगलुरु में घोषणा की कि भारत में ही सी-130जे सुपर हरक्यूलिस एयरक्राफ्ट के लिए डिफेंस मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल

(एमआरओ) सुविधा स्थापित की जाएगी। यह आधुनिक सेंटर 2026 के अंत तक तैयार होगा और उम्मीद है कि 2027 की शुरुआत में पहला एयरक्राफ्ट ऑपरेशन के लिए उपलब्ध होगा। भूमि पूजन समारोह में वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। लॉकहीड मार्टिन के सीओओ फ्रैंक सेंट जॉन ने कहा कि भारत के एयरोस्पेस और डिफेंस सेक्टर के साथ उनकी साझेदारी अब और मजबूत होगी।

नया एमआरओ सेंटर भारत की एयरोस्पेस क्षमता बढ़ाएगा

यह एमआरओ सेंटर न केवल भारतीय वायु सेना की तैयारी को बेहतर बनाएगा, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक सी-130 ऑपरेटर्स के लिए भी सहयोग के नए अवसर खोलेगा। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के सीईओ सुकरण सिंह ने बताया कि सेंटर में डिपो-लेवल मेंटेनेंस, भारी मरम्मत, कंपोनेंट रिपेयर, ओवरहॉल, टेस्टिंग, एवियोनिक्स अपग्रेड और संरचनात्मक बहाली जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

दौलत बेग ओल्डी एयरपोर्ट पर कर चुका है लैंडिंग

मैकलीन ने यह भी बताया कि सी-130 सुपर हरक्यूलिस ने दुनिया के सबसे ऊंचे हवाई अड्डे दौलत बेग ओल्डी पर लैंडिंग और पूर्वी लद्दाख के न्योमा एयरबेस पर उतरकर विश्व रिकॉर्ड बनाया है। यह नया एमआरओ सेंटर भारत में सी-130 प्लेटफॉर्म और देश के बीच दीर्घकालीन साझेदारी की नींव रखेगा और 'मेक इन इंडिया' पहल को मजबूती देगा। इस पहल से भारत न केवल अपने डिफेंस एयरक्राफ्ट की मरम्मत में आत्मनिर्भर बनेगा।

इजराइल-हमास संघर्ष विराम

बंधकों के अवशेष लौटने पर ही खुलेगा दूसरे चरण का रास्ता

एजेंसी | नई दिल्ली

तेल अवीव। हमास और इजराइल के बीच संघर्ष विराम समझौते का दूसरा चरण फिलहाल बंधकों के अवशेषों की अदला-बदली पर अटका हुआ है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि जैसे ही हमास गाजा में मौजूद अंतिम इजराइली बंधक के अवशेष वापस करेगा, संघर्ष विराम की प्रक्रिया अपने अगले चरण में प्रवेश कर जाएगी।

जर्मन चांसलर फ्रेड्रिक मर्ज के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में नेतन्याहू ने बताया कि आगामी चरण में गाजा का निरस्त्रीकरण और हमास की सैन्य संरचना को समाप्त करना शामिल है।